कोटद्वार, शुक्रवार
13 जून 2025
वर्ष: 47
अंक: 50 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक: स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

"जनजीवन में सकारात्मक बदलाव लाना सिविल सेवकों का मूल उद्देश्य होना चाहिए" : लोकसभा अध्यक्ष

लोकसभा अध्यक्ष ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 127वें इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह को किया संबोधित

देहरादून। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना ही सिविल सेवकों का मार्गदर्शक उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे शासन में नवाचार और पारदर्शिता को प्रभावी उपकरण के रूप में अपनाएं, ताकि समाज की बेहतरी सुनिश्चित हो सके और आमजन की अपेक्षाओं की पूर्ति की जा सके।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए), मसूरी में 127वें इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि विशेषकर वंचित और हाशिए पर खड़े लोग प्रशासन से आशा रखते हैं और अधिकारियों का दायित्व है कि वे करुणा, निष्पक्षता और कर्तव्यबोध के साथ उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरें।

बिरला ने एलबीएसएनएए को लोकतांत्रिक मूल्यों, सादगी और ईमानदारी का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह संस्था राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को "कर्मयोगी" संबोधित करते हुए उनसे आग्रह किया कि वे देश की प्रगति और जनकल्याण के लिए सक्रिय और संवेदनशील भूमिका निभाएं।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र के तीन प्रमुख स्तंभों में कार्यपालिका की भूमिका बेहद अहम है। नीतियों के निर्माण के बाद उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन, सादगी और विचार आज भी लोकसेवकों को प्रेरित करते हैं।

भारत की विविधता का उल्लेख करते हुए झ भाषाई, सांस्कृतिक, भौगोलिक और सामाजिक झ उन्होंने कहा कि देश ने इन विविधताओं के बावजूद सामूहिक भागीदारी पर आधारित एक मजबूत लोकतांत्रिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था विकसित की है, जो विश्व भर में एक उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों का दायित्व केवल नीतियों का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि समाज के सबसे कमजोर तबकों के जीवन में ठोस और सकारात्मक बदलाव लाना भी है। एक संवेदनशील और सहानुभूति से परिपूर्ण अधिकारी समाज की मानसिकता, व्यवहार और स्थानीय प्रशासन में गहरा परिवर्तन ला सकता है। न्होंने अधिकारियों से कहा कि वे स्वयं को केवल योजनाओं के क्रियान्वयनकर्ता न समझें, बल्कि वे समाज में बदलाव लाने वाले प्रतिनिधि बनें, जो विशेषकर आपदा या संकट की घड़ी में जनता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाएं। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय और सेवा की भावना से प्रेरित कार्य करने वाले अधिकारी जनता के हृदय में बस जाते हैं और उनका सम्मान वर्षों तक बना रहता है। बिरला ने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे जनसामान्य ने कई बार ऐसे अधिकारियों का समर्थन किया, जिनके तबादले राजनीतिक दबाव में किए गए थे। उन्होंने कहा कि हर छोटे–बड़े कार्य में आमजन की मदद करना, एक–एक आंसू पोंछना, लोक सेवा को सार्थकता प्रदान करता है। यदि प्रशासनिक कार्य ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ हो, तो नागरिकों को अपने जनप्रतिनिधियों के पास शिकायत लेकर जाने की आवश्यकता नहीं रह जाती। उन्होंने सतत सीखने और प्रशिक्षण की महत्ता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीकों, सामाजिक अपेक्षाओं और वैश्विक परिवर्तनों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अधिकारियों को निरंतर आत्ममंथन और उन्नयन की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों का आदान–प्रदान, प्रशासनिक सोच को समृद्ध करता है और नई कार्यप्रणालियों को जन्म देता है। अंत में बिरला ने कहा कि एक सच्चा लोकसेवक वही है, जिसकी सेवा का भाव हर नागरिक को यह महसूस कराए कि वह सुना और समझा गया है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे हर समस्या को व्यक्तिगत दायित्व मानते हुए समाधान सुनिश्चित करें और न्याय के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाएं।

एक नजर

दो अवैध प्लॉटिंग और एक आवासीय निर्माण सील

विकासनगर। धर्मावाला में एमडीडीए से मानचित्र स्वीकृति किए बिना बन रहे एक आवासीय निर्माण को एमडीडीएम ने सील कर दिया। साथ ही विकासनगर के चिरंजीपुर और भीमावाल में भी दस बीघा भूमि पर किए गए प्लॉटिंग को भी एमडीडीए ने ध्वस्त कर दिया। तीनों मामले में एमडीडीए की ओर से नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद भी अवैध निर्माण और प्लॉटिंग का काम चल रहा था। एमडीडीए के सहायक अभियंता अभिषेक भारद्वाज ने बताया कि धर्मावाला में स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ अस्पताल के समीप बिना मानचित्र स्वीकृति किए आवासीय भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा था। मामला संज्ञान में आने के बाद व्यक्ति को नोटिस जारी कर निर्मााण कार्य रोकने को कहा गया था और सुनवाई के लिए बुलाया गया, लेकिन उसने न तो निर्माण कार्य रोका और नोटिस का जबाब दिया। जिसके बाद सचिव एमडीडीए के आदेश पर गुरुवार को पुलिस बल साथ लेकर अवैध निर्माण को सील कर दिया गया। इसके साथ ही एसडीएम विकासनगर के आदेश पर छोटी नहर गुरुद्वारा के सामने बिना प्राधिकरण की अनुमति से पांच बीघा भूमि पर अवैध प्लॉटिंग काटी जा रही थी। जिसको को ध्वस्त कर दिया गया। चिरंजीपुर में भी पांच बीघा भूमि पर कुछ लोगों की ओर से भी प्राधिकरण की स्वीकृति के बिना अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। उसे भी ध्वस्त करा दिया गया है।

सरयू नदी में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

चम्पावत। लोहाघाट बाराकोट के नेत्र सलान गांव के पास सरयू नदी में अज्ञात पुरुष का शव बरामद किया गया है। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखा है। बाराकोट के नेत्र सलान के ग्रामीणों ने सरयू नदी में शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। बाराकोट चौकी प्रभारी हरीश प्रसाद के साथ पुलिस टीम ने शव कब्जे में लिया। चौकी प्रभारी के अनुसार मृतक की उम्र करीब 40 साल है। बताया कि शव करीब दस दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। काफी दिन पुराना शव होने से पहचान नहीं हो पा रही है। चौकी प्रभारी ने बताया कि पीठ की ओर जलने के भी संकेत मिल रहे हैं। पुलिस ने शव के कहीं और से बह कर यहां पहुंचने की आशंका जताई है। बताया कि शिनाख्त करने के लिए शव को 72 घंटे मोर्चरी में रखा गया है। पुलिस आसपास के इलाकों में लापता लोगों की जानकारी जुटा रही है।

बस–बाइक की टक्कर में बाइक सवार की मौत

रुद्रपुर। सिडकुल मार्ग में फैक्ट्री की बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। बुधवार की सायं सिडकुल के पास बस की टक्कर में बाइक चालक 35 वर्षीय जगन्नाथ मंडल पुत्र भीष्म देव मंडल निवासी रुदपुर जेल कैंप नंबर 4, शक्तिफार्म गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस व कंपनी स्टाफ ने घायल को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां गुरुवार की सुबह जगन्नाथ मंडल ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। जगन्नाथ की पांच वर्ष शादी हुई थी। उनका एक पुत्र है। माता–पिता बुजुर्ग हैं। जगन्नाथ सिडकुल की कंपनी में नौकरी करते थे। परिवार में इकलौता कमाने वाला था। जगन्नाथ के निधन से घर में कोहराम मचा है।

मोरी के कई गांवों में नेटवर्क सुविधा ठप, लोग परेशान

उत्तरकाशी। विकासखंड के गोविंद वन्य जीव विहार राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र के अन्तर्गत निवास करने वाले दो दर्जन से अधिक गांवों में मोबाइल फोन कनेक्टिविटी नहीं है। मोबाइल नेटवर्क सुविधा नहीं होने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। पार्क क्षेत्र में निवास करने वाले ओसला, गंगाड, पवाणी, ढाटमिर, फिताडी, लिवाडी, कासला, रेकचा, हरपूरी, राला, मसरी, सेवा, बरी, पूजेली, खनयासणी, दौणी, भितरी आदि ग्रामीण अपनों से बातें करने के लिए गांव से एक किलोमीटर से पांच 10 किलोमीटर दूर तक जाकर मोबाइल फोन पर बात करने को मजबूर हो रहे हैं। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकता रोजी सिंह सौदाण, रणदेव सिंह कुंवर, सुरती लाल, बलवीर सिंह रावत, राजपाल सिंह रावत, रमेश चौहान, राजेंद्र सिंह आदि ने बताया कि जिन जगहों पर मोबइाल टावर लगाए हैं, वो भी बंद हैं।

अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली,दिल्ली हाईकोर्ट ने टेरर फंडिंग के मामले में जेल में बंद अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की जमानत याचिका खारिज कर दिया है. जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया. सुनवाई के दौरान शब्बीर शाह की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंजाल्वेस ने कहा कि इस मामले में चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है और जांच पूरी हो चुकी है. उन्होंने कहा कि एनआईए की ओर से दाखिल पहली पूरक चार्जशीट में शब्बीर शाह के नाम का जिक्रभी नहीं है. इस मामले में जल्द ट्रायल पूरी होने की भी उम्मीद नहीं है क्योंकि इस मामले में चार सौ गवाह हैं.

बता दें कि इसके पहले पटियाला हाउस कोर्ट ने शब्बीर शाह की जमानत याचिका खारिज कर दी थी. शब्बीर शाह ने पटियाला हाउस कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी. पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने शब्बीर शाह की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि ये एक गंभीर अपराध है, जिसमें पाकिस्तान समेत दूसरे देशों से कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए टेरर फंडिंग को अंजाम दिया गया. इस अपराध में शब्बीर शाह ने खासी भूमिका निभाई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने शब्बीर शाह के वकील से पूछा था कि आप अपने मुवक्किल से पूछिए कि क्या उसका न्यायपालिका पर भरोसा है. इसके जवाब में शब्बीर शाह के वकील ने कहा कि उसका न्यायपालिका पर भरोसा है. ईडी के मुताबिक शब्बीर शाह जमात–उद–दावा के प्रमुख हाफिज सईद के भी संपर्क में था. जमात–उद–दावा पर संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध लगा चुका है. ईडी ने कहा कि शब्बीर शाह मोहम्मद शफी शायर के संपर्क में भी था, जो जम्मू की जेल से निकलने के बाद अपने परिवार समेत पाकिस्तान भाग गया था. ईडी ने कहा कि इन गंभीर अपराधों की अभी आगे जांच करनी है. ऐसे में अगर शब्बीर शाह को रिहा किया गया तो पूरी साजिश का पता लगाने की प्रक्रिया को झटका लगेगा. शब्बीर शाह फिलहाल तिहाड़ जेल में दो मामलों में जेल में बंद है. एक मामला टेरर फंडिंग का है और दूसरा मनी लाउंड्रिंग का है. शब्बीर शाह के खिलाफ 2005 के मनी लाउंड्रिंग के केस में 2007 में केस दर्ज किया गया था. शब्बीर शाह को 25 जुलाई 2017 को ईडी ने गिरफ्तार किया था.

दिल्ली से अहमदाबाद की उड़ानें रद्द

नईदिल्ली,गुजरात के अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया एआई–171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद इंडिगो और स्पाइसजेट एयरलाइंस ने यात्रा परामर्श जारी किया है। इंडिगो ने एक्स पर लिखा, अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास हुई घटना और उसके परिणामस्वरूप रनवे पर प्रतिबंध के कारण उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ है। हमारी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। यदि आपकी उड़ान प्रभावित होती है, तो आप पुनः बुक कर सकते हैं या पूर्ण धनवापसी पा सकते हैं। स्पाइसजेट एयरलाइंस ने भी एक्स पर लिखा, मान दुर्घटना के कारण अहमदाबाद हवाई अड्डे पर सभी परिचालन अगली सूचना तक स्थगित कर दिए गए हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे लिंक के माध्यम से अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करते रहें। इसके एक घंटे बाद एयरलाइंस ने लिखा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल हवाई अड्डे पर परिचालन फिर से शुरू हो गया है। यात्रियों को उड़ान की स्थिति जांचने की सलाह दी गई है।

गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त, 133 लोगों की मौत

अहमदाबाद, गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर को एयर इंडिया के पैसेंजर विमाग बोइंग 737 क्रैश हुआ है, जिसकी डरावनी तस्वीरें सामने आ रही हैं. अहमदाबाद के मेघानीनगर इलाके में आग की बड़ी–बड़ी लपटें देखी गईं. वहीं, काले धुएं का गुबार दूर से ही देखा जा सकता है. इस विमान में 133 यात्री सवार थे. सभी की मौत की आशंका जताई जा रही है.

शुरुआती जानकारी के अनुसार, सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट में यह दर्दनाक हादसा हुआ है. माना जा रहा है कि एयरपोर्ट की बाउंड्री से लगकर यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है. शुरुआती तस्वीरें जो सामने आई है, उसमें देखा जा सकता है कि विमान के परखचे उड़ गए हैं. राहत और बचाव कार्य जारी है.

तस्वीर में दिख रहा है कि विमान का एक विंग टूटकर गिर हुआ है. दमकल कर्मी पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं. फिलहाल, आग पर कुछ हद तक काबू पा लिया गया है. विमान एयरपोर्ट से टेकऑफ कर रहा था, जब यह हादसा हुआ था.यह विमान एयर इंडिया का हो सकता है.

चारों तरफ अफरा–तफरी का माहौल है, लोग इस भयावह हादसे को देखकर भयभीत हैं और इधर उधर भाग रहे हैं. विमान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है. विमान का अधिकांश हिस्सा जलकर खाक हो चुका है. विमान जिस बिल्डिंग से लगकर गिरा है, वह भी क्षितग्रस्त हुई है. एयरपोर्ट के पास ही सिविल अस्पताल है, जहां के सभी डॉक्टरों की छुट्टी कैंसिल कर दी गई है. अभी तक की जानकारी के मुताबिक, अहमादाब से टेकऑफ हुआ यह विमान लंदन की ओर जा रहा था.

बताया जा रहा है कि विमान टैक–ऑफ के तुरंत बाद ही दुर्घटना का शिकार हो गया। प्रारंभिक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि विमान रनवे से उड़ान भरने के फौरन बाद बाउंड्री या पेड़ से टकरा गया। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मुख्यमंत्री धामी की अध्यक्षता में हुई उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड बैठक

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को सचिवालय में वन्यजीव बोर्ड की 21वीं बैठक के दौरान वन विभाग के अधिकारियों को वनों के संरक्षण के साथ ही वन संपदाओं को लोगों की आजीविका से जोड़ने की दिशा में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईकोलॉजी और ईकोनॉमी में संतुलन बनाते हुए आगामी 10 सालों के लिए विस्तृत प्लान करते हुए वन क्षेत्रों के आस–पास ईको–टूरिज्म की गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही मानव–वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने के साथ ही ऐसी घटनाओं में त्वरित मुआवजा वितरण के लिए डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिये कि हल्द्वानी में जू एण्ड सफारी के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि वन विश्राम भवनों का रख–रखाव पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए राजस्व बढ़ाने के प्रयास किये जाएं। मुख्यमंत्री ने चौरासी कुटिया के जीणोधार से संबंधित कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने नवाचार पर जोर देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड वनों की बहुलता वाला प्रदेश है, इसलिए वन संपदाओं को आर्थिकी से जोड़ने के प्रयास किये जाए, इसके लिए वन विभाग और वित्त विभाग बैठक करें। महासीर के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किये जाएं।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संरक्षित क्षेत्रों के अन्तर्गत एवं संरक्षित क्षेत्रों के 10 किमी. परिधि में आने वाले वन भूमि हस्तान्तरण एवं अन्य प्रकरणों पर कुल 25 निर्णयों पर अनुमोदन दिया गया। जिन्हें राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड को भेजा जायेगा। बैठक में रूद्रनाथ यात्रा मार्ग को ई.डी.सी के माध्यम से संचालित किये जाने एवं केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग, गोपेश्वर के क्षेत्रान्तर्गत मिनी ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर की स्थापना के लिए भी सैद्धांतिक सहमति दी गई। बैठक में जानकारी दी गई कि 20वीं बोर्ड बैठक से अब तक राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा उत्तराखण्ड की महत्वपूर्ण 22 परियोजनाओं पर सहमति दी जा चुकी है।

पत्नी ने पति को कुल्हाड़ी से काटा

सांगली,महाराष्ट्र के सांगली में इंदौर के राजा और सोनम रघुवंशी जैसा मामला सामने आया है। यहां भी एक महिला ने अपने पति को शादी के 17वें दिन मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि आरोपी राधिका लोखंडे (27) ने 10 जून की रात को अपने पति अनिल लोखंडे (45) पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। घटना के समय अनिल सो रहा था। दोनों के बीच उस रात को काफी झगड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि राधिका ने अनिल के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया था, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। हत्या के बाद राधिका ने अपने चचेरे भाई को फोन किया और अपराध की जानकारी दी। उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने को राधिका को गिरफ्तार कर लिया और उसे 3 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। राधिका के खिलाफ भारत न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (1) के तहत मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि प्रकाशनगर स्थित एकता कॉलोनी में रहने वाले अनिल की पहली पत्नी की मौत कैंसर से हो चुकी है। उनकी दो बेटियां थीं, जिनकी शादी हो गई है। अनिल अकेले रहते थे, ऐसे में उनके रिश्तेदारों ने सतारा जिले की राधिका से उनकी दूसरी शादी करा दी। शादी के बाद से दोनों के बीच झगड़ा चल रहा था। 10 जून को भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद राधिका ने हत्या कर दी। जांच जारी है।

2027 की जनगणना होगी डिजिटल

मोबाइल ऐप से जुटाए जाएंगे जातीय समेत सभी आंकड़े

नईदिल्ली,केंद्र सरकार अगले साल जनगणना करने जा रही है, जिसमें पहली बार जातियों का भी आंकड़ा एकत्र किया जाएगा। इसके साथ ही 2027 की जनगणना एक और वजह से खास होगी, क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया के तहत होगी। जनगणना के लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे डाटा जल्दी और सटीक रूप से इकट्ठा हो सकेगा। इसके लिए सरकार ने एक निगरानी पोर्टल भी बनाया है, जिससे पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जा सकेगी। केंद्र सरकार 2027 में देश की अगली जनगणना करेगी, जो पूरी तरह डिजिटल होगी। इस बार पहली बार जातियों का भी डाटा एकत्र किया जाएगा और जनगणना के लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल होगा, जो 16 भाषाओं में उपलब्ध रहेगा। नागरिकों को खुद से जानकारी भरने का विकल्प भी मिलेगा। यह प्रक्रिया 2026 में घरों की सूची से शुरू होगी और फरवरी 2027 में जनसंख्या की गिनती के साथ पूरी की जाएगी। डिजिटल जनगणना से सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि डाटा जल्दी प्रोसेस होगा और अंतिम रिपोर्ट केवल 9 महीनों में जारी की जा सकेगी।

संस्कृत महाविद्यालय में नकल करते पकड़े छात्र

प्रभारी प्रधानाचार्य पर गिरी गाज

हल्द्वानी। श्री महादेव गिरी संस्कृत महाविद्यालय रामपुर रोड में बीते मंगलवार को शास्त्री चतुर्थ सेमेस्टर की अंग्रेजी और संस्कृत की परीक्षा के दौरान नकल का मामला सामने आया। मामले में निदेशक संस्कृत शिक्षा ने प्रभारी प्रधानाचार्य को हटाने के आदेश जारी किए हैं। मामले में निदेशक संस्कृत शिक्षा डॉ.आनन्द भारद्वाज, सहायक निदेशक यशोदा प्रसाद सेमल्टी ने औचक छापेमारी के दौरान दो छात्रों को मोबाइल से नकल करते पकड़ा था। वहीं एक छात्र के पास से तंबाकू के पाउच बरामद किए गए। बुधवार को निदेशक ने महाविद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ.नवीन चन्द्र जोशी को हटाकर वरिष्ठता के आधार पर किसी अन्य सहायक प्रवक्ता को दायित्व दिए जाने के आदेश जारी किए हैं। मामले की रिपोर्ट उत्तराखंड संस्कृत विवि हरिद्वार और सचिव संस्कृत शिक्षा को भी भेजी गई है।

अफसरों ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जो बात सामने आईं, उनसे प्रतीत होता है कि प्रभारी प्रधानाचार्य सामूहिक नकल को बढ़ावा दे रहे थे। प्रभारी प्रधानाचार्य पर वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोप भी अफसरों ने लगाए हैं। निदेशक की ओर से जारी आदेश में इस बात का जिक्रहै।

युवक का शव मिला

विकासनगर। सहसपुर क्षेत्र के शंकरपुर में मानसिक अस्पताल के पास पीठ बाजार में टीन शेड के नीचे एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। मृतक के सिर और कान पर चोट के गहरे निशान मिले हैं। प्रथम दृष्ट्या पत्थरों से कुचलकर युवक की हत्या की आशंका जताई जा रही है। युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव को विकासनगर मोर्चरी में रखवाया गया है। जानकारी के मुताबिक, शंकरपुर मानिसक अस्पताल के पीछे पीठ बाजार में टीन शेड के नीचे गुरुवार सुबह अज्ञात व्यक्ति लेटा हुआ नजर आया। उसके ऊपर कंबल पड़ा था। काफी देर तक जब जब उसमें कोई हलचल नहीं हुई तो लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सहसपुर थाना पुलिस वहां पहुंची और कंबल को हटाकर देखा तो युवक खून से सना पड़ा मिला।

विदेश मंत्री जयशंकर बोले– भारत–चीन आगे बढ़ रहे, दोनों मिलकर नया संतुलन बना रहे हैं

ब्रूसेल्स, भारत और चीन के संबंधों को लेकर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बेहद अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि दोनों देश मिलकर नया संतुलन बना रहे हैं। जीएमएफ ब्रुसेल्स फोरम 2025 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया में एक जटिल संतुलन है, क्योंकि भारत और चीन शक्तिशाली बन गए हैं और ये देश पड़ोसी भी हैं। जयशंकर ने कहा कि सीमा मुद्दों के अलावा व्यापार और आर्थिक मुद्दे भी हैं। उन्होंने कहा, लेकिन जैसा भी हो, चीन का उदय हो रहा है, भारत का उदय हो रहा है, अब इनमें से प्रत्येक अपने और विश्व की उभरती हुई शक्तियों के बीच एक नया संतुलन बना रहा है और फिर इन दो उभरती हुई शक्तियों के बीच एक अधिक जटिल संतुलन बन रहा है, जो पड़ोसी भी हैं और जिनके कुछ पड़ोसी देश भी समान हैं।

जयशंकर ने कहा, यह एक अविश्वसनीय रूप से जटिल मैट्रिक्स है और इसके विभिन्न आयाम हैं, इसमें सीमा आयाम हैं, इसमें संतुलन है, आर्थिक मुद्दे हैं, व्यापार संबंधी मुद्दे हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के आर्थिक और राजनीतिक मॉडल काफी अलग–अलग हैं, इसलिए चिंताएं हैं, कुछ लोग सोच सकते हैं कि ये मतभेद एक–दूसरे को नुकसान पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा, इसमें चिंताएं हैं क्योंकि हमारे आर्थिक, सामाजिक मूल्य, राजनीतिक मॉडल अलग–अलग हैं, इसलिए जब आप इस रिश्ते को देखते हैं तो यह पहली नजर में जितना लगता है, उससे कहीं अधिक जटिल और मुश्किल है, जहां लोग वास्तव में सोचते हैं कि आपके पास यह देश और वह देश है और एक दूसरे को संतुलित करेगा और दूसरा दूसरे को अलग करेगा।

सम्पादकीय

दुखद हादसे की स्तब्धता

अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया की यात्री विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना बेहद दुखात्पूर्ण घटना है दुर्घटना में 204 लोगों के मरने की बात सामने आई है लेकिन यह आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। अहमदाबाद एयरपोर्ट से टेक ऑफ करने के चंद मिनट में ही विमान एक मेडिकल हॉस्टल पर जा गिरा और आग का गोला बन गया। घटना बेहद विचलित कर देने वाली है और साथ ही वायु परिवहन की व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठाती है। दुनिया के 90% से ज़्यादा विमान हादसे टेकऑफ़ या लैंडिंग के दौरान ही होते हैं...लेकिन जो हादसा हुआ, वह दिल दहला देने वाला है। ऊपर से इसका रेजिडेंशियल बिल्डिंग के बराबर में गिरना एक बड़ा आघात है। अहमदाबाद से लंदन की फ्लाइट में रास्ते के लिए भरपूर फ्यूल होता है, टेकऑफ़ के तुरंत बाद के फ्लाइट क्रैश ने इसे एक लाइव पेट्रोल बॉम्ब बना दिया। घटना के बाद अब इंटरनेशनल उड़ानों में प्रयोग किए जाने वाले विमान को लेकर भी सवाल खड़े होंगे। तकनीकी दृष्टि से देखें तो दो इंजन वाले विमानों में अगर एक इंजन भी फेल हो जाए, तो पायलट्स के पास इमरजेंसी लैंडिंग का पूरा मौका होता है। लेकिन यहां तो सब कुछ चंद सेकंड्स में ही खत्म हो गया। एक तरफ जहां सरकार वाहनों की सीमा 15 साल तय कर रही है तो आखिर क्यों 15 वर्ष से भी अधिक आयु पूरी कर चुके विमान को उड़ता ताबूत बनाया जा रहा है। 200 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी शामिल है। कुछ लोग घायल है, तो कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है। दुर्घटना में हॉस्टल में रहने वाले चार डॉक्टरों की भी मृत्यु हुई है। विमान के रखरखाव और उनकी स्थिति को लेकर अब सख्त कानून की जरूरत है लेकिन यहां तो सरकार ने एयरपोर्ट एवं विमान को भी निजी हाथों में सौंप दिया है जो अधिक से अधिक मुनाफे के लिए यात्रियों की जान के साथ खिलवाड़ करते हैं। इस हादसे को लेकर अभी कई सवाल सामने आने हैं। या तो मेंटेनेंस में गंभीर लापरवाही रही है, या फिर कोई आतंकवादी साजिश भी हो सकती है। .. जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी, लेकिन बहुत बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। भारत की एविएशन क्रेडिबिलिटी के लिए भी बड़ा झटका है। जो भी वीडियो सामने आ रहे हैं, वो दिल को झकझोर देने वाले हैं। बहुत ही पीड़ादायक दृश्य हैं। सच कहें तो, इस समय पूरी दुनिया ही एक अस्थिर दौर से गुजर रही है। ..हम जिस भी धर्म या पंथ में विश्वास रखते हों, हम विश्व शांति एवं सभी की कुशलता के लिए प्रार्थना करें। जीवन का भरोसा नहीं, पर इतना गमगीन और दु:खद,, आत्मा झकझोर देने वाला हादसा,, पूरे भारत के हृदय को,,कभी न भूलने वाला दर्द दे गया।

रक्षा परियोजनाओं में देरी टाइमलाइन

कई बार हम कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय जानते हैं कि यह सिस्टम समय पर नहीं आएगा। फिर भी हम कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लेते हैं। यह बयान भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में चल रही प्रक्रिया पर सवाल उठाता है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने अपने बयान में विशेष रूप से हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. द्वारा तेजस एमके1ए फाइटर जेट की डिलीवरी में देरी का उल्लेख किया। यह देरी 2021 में हस्ताक्षरित 48,000 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा है, जिसमें 83 तेजस एमके1ए जेट्स की डिलीवरी मार्च, 2024 से शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक एक भी विमान डिलीवर नहीं हुआ है।

विनीत नारायण

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ माशर्ल अमरप्रीत सिंह ने 29 मई, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित एक सभा में रक्षा परियोजनाओं में देरी को लेकर महत्त्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा, 'टाइमलाइन बड़ा मुद्दा है। मेरे विचार में एक भी परियोजना ऐसी नहीं है, जो समय पर पूरी हुई हो।

कई बार हम कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय जानते हैं कि यह सिस्टम समय पर नहीं आएगा। फिर भी हम कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लेते हैं। यह बयान भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में चल रही प्रक्रिया पर सवाल उठाता है।

एयर चीफ माशर्ल सिंह ने अपने बयान में विशेष रूप से हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. द्वारा तेजस एमके1ए फाइटर जेट की डिलीवरी में देरी का उल्लेख किया। यह देरी 2021 में हस्ताक्षरित 48,000 करोड़ रु पये के कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा है, जिसमें 83 तेजस एमके1ए जेट्स की डिलीवरी मार्च, 2024 से शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक एक भी विमान डिलीवर नहीं हुआ है। उन्होंने तेजस एमके 2 और उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स में प्रोटोटाइप की कमी और देरी का भी जिक्रकिया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच 'ऑपरेशन सिंदूरइ के बाद, जिसे उन्होंने 'राष्ट्रीय जीतइ करार दिया गया है, उनके बयान का महत्त्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि यह रक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

पहली बार नहीं है जब एचएएल की आलोचना हुई है। फरवरी, 2025 में एयरो इंडिया 2025 के दौरान एयर चीफ माशर्ल सिंह ने एचएएल के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था, 'मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं है, जो बहुत गलत बात हैइ यह बयान एक अनौपचारिक बातचीत में रिकॉर्ड हुआ था, लेकिन इसने रक्षा उद्योग में गहरे मुद्दों को उजागर किया। रक्षा परियोजनाओं में देरी के कई कारण हैं, जिनमें से कुछ संरचनात्मक और कुछ प्रबंधन से संबंधित हैं। तेजस रूद्म1 की डिलीवरी में देरी का एक प्रमुख कारण जनरल इलेक्ट्रिक से इंजनों की धीमी आपूर्ति है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में समस्याएं विशेष रूप से 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद भारत पर लगे प्रतिबंधों ने एचएएल की उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है। सिंह ने एचएएल को 'मिशन मोडइ में न होने के लिए आलोचना की।

उन्होंने कहा कि एचएएल के भीतर लोग अपने–अपने साइलो में काम करते हैं, जिससे समग्र तस्वीर पर ध्यान नहीं दिया जाता। यह संगठनात्मक अक्षमता और समन्वय की कमी का संकेत है। सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि कई बार कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय ही यह स्पष्ट होता है कि समय सीमा अवास्तविक है। फिर भी, कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिए जाते हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू से ही खराब हो जाती है। यह एक गहरी सांस्कृतिक समस्या को दर्शाता है, जहां जवाबदेही की कमी है। हालांकि सरकार ने एएमसीए जैसे प्रोजेक्ट्स में निजी क्षेत्र की भागीदारी को मंजूरी दी है, लेकिन अभी तक रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका सीमित रही है। इससे एचएएल और डीआरडीओ जैसे सार्वजनिक उपक्रमों पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ती है, जो अक्सर समय सीमा पूरी करने में विफल रहते हैं।

भारत की रक्षा खरीद प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली है। डिजाइन और विकास में देरी, जैसे कि तेजस एमके 2 और एएमसीए के प्रोटोटाइप की कमी, भी परियोजनाओं को और पीछे धकेलती है। रक्षा परियोजनाओं में देरी का भारतीय वायुसेना की परिचालन तत्परता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में भारतीय वायु सेना के पास 42.5 स्क्वाड्रनों की स्वीकृत ताकत के मुकाबले केवल 30 फाइटर स्क्वाड्रन हैं। तेजस एमके1ए जैसे स्वदेशी विमानों की देरी और पुराने मिग–21 स्क्वाड्रनों का डीकमीशनिंग इस कमी को और गंभीर बनाता है। देरी से रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की प्रगति भी प्रभावित होती है।

सिंह ने कहा, 'हमें केवल भारत में उत्पादन की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि डिजाइन और विकास भी भारत में करना चाहिए। देरी न केवल भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षमता को कमजोर करती है, बल्कि रक्षा उद्योग में विश्वास को भी प्रभावित करती है। 'ऑपरेशन सिंदूरइ जैसे हालिया सैन्य अभियानों ने स्पष्ट किया है कि आधुनिक युद्ध में हवाई शक्ति की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, और इसके लिए समय पर डिलीवरी और तकनीकी उन्नति अनिवार्य है। एयर चीफ माशर्ल अमरप्रीत सिंह के बयान ने रक्षा क्षेत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया है। रक्षा कॉन्ट्रैक्ट्स में यथार्थवादी समय सीमाएं निर्धारित की जानी चाहिए। सिंह ने सुझाव दिया, 'हमें वही वादा करना चाहिए जो हम हासिल कर सकते हैंइ

इसके लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन करने से पहले गहन तकनीकी और लॉजिस्टिकल मूल्यांकन की आवश्यकता है। एएमसीए प्रोजेक्ट में निजी क्षेत्र की भागीदारी सकारात्मक कदम है। निजी कंपनियों को रक्षा उत्पादन में और अधिक शामिल करने से एचएएल पर निर्भरता कम होगी और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। एचएएल और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों को 'मिशन मोडइ में काम करने के लिए संगठनात्मक सुधार करने चाहिए। इसके लिए समन्वय, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और कर्मचारी प्रशिक्षण में सुधार की आवश्यकता है। इंजन और अन्य महत्त्वपूर्ण घटकों के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता को कम करने के लिए स्वदेशी विकास पर ध्यान देना होगा। रक्षा खरीद प्रक्रिया को सरल और तेज करने की आवश्यकता है ताकि अनावश्यक देरी से बचा जा सके।

एयर चीफ माशर्ल सिंह का बयान रक्षा क्षेत्र में गहरी जड़ें जमाए बैठी समस्याओं को उजागर करता है। उनकी स्पष्टवादिता न केवल जवाबदेही की मांग करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि भारत को आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए तैयार रहने के लिए तत्काल सुधारों की आवश्यकता है। तेजस एमके1ए, एमके 2 और एएमसीए जैसे प्रोजेक्ट्स भारत की रक्षा क्षमता के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। इनमें देरी न केवल हमारी फौज की तत्परता को प्रभावित करती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरे में डालती है। सरकार, रक्षा उद्योग और निजी क्षेत्र को मिल कर इन चुनौतियों का समाधान करना होगा ताकि भारत न केवल उत्पादन, बल्कि डिजाइन और विकास में भी आत्मनिर्भर बन सके। सिंह का यह बयान चेतावनी तो है ही, लेकिन साथ ही रक्षा क्षेत्र को 'सर्वश्रेष्ठ करने की दिशा में एक अवसर भी है।

देनदारी का बोझ

हरियाणा के पंचकुला में खड़ी कार में देहरादून के परिवार के सात सदस्य मृत पाए गए जिनमें मित्तल परिवार के दंपति, मां–बाप व तीन बच्चे बताए जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस के साथ उत्तराखंड पुलिस व क्राइम ब्रांच जांच में जुट गए हैं। मगर प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का माना जा रहा है। बताया गया कि परिवार बागेर से लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इनमें से एक बेसुध ने अस्पताल जाते हुए कर्ज की बात बार–बार दोहराई जिसने बाद में दम तोड़ दिया। पूछताछ में देहरादून पुलिस को मिले मृतक के मित्र ने बताया कि मित्तल को व्यापार में घाटा हुआ था और उस पर सात–आठ करोड़ का कर्ज था। कर्ज अदायगी न करने के चलते बैंक उसका फ्लैट व कुछ कारें जब्त की चुकी थीं। वह इन दिनों कैब चला कर गुजर कर रहा था।गाड़ी में मिले सुसाइड नोट के विषय में पुलिस ने विस्तार से नहीं बताया। उधर केरल के वक्कोम में भी एक ही परिवार के चार सदस्यों की खुदकुशी का मामला सामने आया। बताया गया कि कर्ज के चलते माता–पिता व दो जवान बच्चे छत से लटक गए। घर से बरामद डायरी में कर्जदारों का ब्योरा मिला है। इस तरह की आत्महत्या की घटनाओं में तेजी आती जा रही है जिनमें अमूमन कर्ज की मोटी रकम चुकाने में सक्षम न रहने के कारण परिवार का मुखिया अपनी जिंदगी तो लेता ही है परिजनों को बकायेदारों व परिचितों के उलाहनों व जीवनयापन की दिक्कतों से बचाने के लिए यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाता है। पहले भी लोग सामूहिक आत्महत्याएं करते रहे हैं।कुछ धार्मिक कारणों से, अंधविश्वास या जादू–टोने के चक्कर में चमत्कारों के भरोसे जीवन लीला खत्म करते थे जबकि कई इज्जत के नाम पर जहरीला पदार्थ खा कर या फंदे पर लटक कर सामूहिक रूप से मर जाते थे। कुछ लोग कर्ज, निजी लोन या अनाप–शनाप ब्याज न चुका पाने के कारण भयभीत होकर मौत को अंतिम शरण मान बैठते हैं। समाज के भौतिकतावादी होने के ये दुष्परिणाम कहे जा सकते हैं।व्यापार में घाटा, मुनाफे में कमी, धोखाधड़ी या गलत प्लानिंग के चलते करोड़ों की देनदारी का बोझ लोगों को मानसिक रूप से रुग्ण कर देता है। देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में तमाम लोग अवसादग्रस्त हैं। असामान्य स्थितियों में वे संभल नहीं पाते। नकारात्मक विचारों के चलते जीवन–लीला समाप्त करने को ही अंतिम परिणति मान बैठते हैं। इस पर सरकारी तंत्र, विश्लेषकों, समाजविज्ञानियों और मनोविश्लेषकों को गंभीरतापूर्वक चिंतन करने की जरूरत है।

ईडी को फटकार

तमिलनाडु की खुदरा शराब कंपनी टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन की जांच की ईडी की स्वतःस्फूर्त कार्रवाई पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ी टिप्पणी की और यहां तक कह डाला कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सारी सीमाएं पार कर रहा है और शासन की संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू से दो टूक कहा, प्रवर्तन निदेशालय सभी सीमाएं पार कर रहा है। धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की सख्त धाराओं के दुरुपयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कई पीठ पहले भी ईडी को जमकर फटकार लगा चुकी हैं। विपक्षी दल तो ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ अक्सर विरोध जताते ही रहते हैं। पीठ ने राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की दलीलों पर गौर करते हुए टीएएसएमएसी के खिलाफ जांच पर फिलहाल रोक लगा दी है। तमिलनाडु सरकार और टीएएसएमएसी का तर्क है कि शराब दुकानों के लाइसेंस देने में कथित अनियमितताओं को लेकर हम पहले ही आपराधिक कार्रवाई शुरू कर चुके हैं। 2014 से अब तक इस मामले में 41 प्राथमिकियां दर्ज की जा चुकी हैं और अब ईडी बीच में कूदकर टीएएसएमएसी पर ही छापेमारी कर रही है।

राजनीति में नैतिकता का क्षरण न हो

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। इसके अलावा प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा है कि 'मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनैतिक शिक्षा का आदि और अंत हैइ भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है, किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार पटेल, लाला लाजपत राय और न जाने कितने महान लोगों ने ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था। देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे–धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है कि राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है। स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन–केन–प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे–धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है और यही कारण है कि आज अधिकतर राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगते हैं। सर्वविदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है। इसका उपयोग वे अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। राजनीति में भाई–भतीजावाद सामान्य लक्षण है। कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो; बड़ा पद उसके भाई, भतीजे ,पत्नी, बेटे आदि को मिल जाए।

इतना ही नहीं कई बार सगे–संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटिलज्म ठीक तरीके से पैर जमा चुका है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्त्व घटने के साथ–साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने में कतई गुरेज नहीं करते हैं। इतना ही नहीं राजनीति में आरोप–प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। संविधान में ही योग्यता निर्धारित नहीं है, लेकिन संसद द्वारा पारित जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसीलिए संविधान तथा इस अधिनियम में जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता एवं अपराधिक नियोग्यता का प्रावधान किया जाना चाहिए, जिससे राजनीति थोड़ी साफ–सुथरी हो और नैतिकता तथा आत्मबल में वृद्धि हो। पढ़े लिखे, शिक्षित लोगों की राजनीति में आने से वहां का वातावरण थोड़ा शुद्ध होने की संभावना बनती है और देश के विकास को भी बल मिलता है। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि सामान्यता अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को विधानसभा या लोक सभा में टिकट नहीं दी जानी चाहिए।

अहान पांडे और अनीत पड्डा की सैयारा का गाना बर्बाद जारी

बॉलीवुड की रोमांटिक फिल्मों के लिए मशहूर निर्देशक मोहित सूरी और यश राज फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सैयाराइ़ का दूसरा गाना 'बर्बादइ़ आज रिलीज़ हो गया है। इस गाने ने आते ही श्रोताओं के दिलों में अपनी गहरी छाप छोड़ दी है। इसे अपनी जादुई आवाज़ से सजाया है मशहूर गायक जुबिन नौटियाल ने, जबकि गीत और संगीत दिया है प्रतिभाशाली द ऋ ष ने। गाने के लॉन्च के मौके पर मोहित सूरी ने बताया कि क्यों उन्होंने इस इमोशनल ट्रैक के लिए जुबिन को चुना। उन्होंने कहा, हर दौर में एक आवाज़ होती है जो प्यार को महसूस करवा सके जुबिन आज उस मुकाम पर हैं। जब मैंने 'बर्बादइ़ पहली बार सुना, मुझे यकीन हो गया कि इस गीत को वही जीवंत बना सकते हैं।

मोहित सूरी ने आगे कहा कि जुबिन की आवाज़ में जो दर्द, गहराई और रोमांस की भावना है, वो किसी और में नहीं। ऐसी भावनाएं सिर्फ आवाज़ से नहीं आतीं, ये दिल से निकलती हैं और जुबिन इसे बखूबी निभाते हैं। 'बर्बादइ़ न केवल एक गाना है, बल्कि उन लोगों के लिए एक अनुभव है जिन्होंने कभी प्यार में खुद को खोया हो या किसी टूटे हुए रिश्ते की कसक महसूस की हो।

काजोल की फिल्म मां का पहला गाना हमनवा जारी

अभिनेत्री काजोल जल्द ही फिल्म मां में नजर आएंगी, जिसके निर्देशन की कमान विशाल पुरिया ने संभाली है। उन्हें नुसरत भरुचा की फिल्म छोरी के लिए जाना जाता है। इस फिल्म के जरिए काजोल लगभग 3 साल बाद बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब निर्माताओं ने फिल्म मां का पहला गाना हमनवा जारी कर दिया है, जिसे श्रेया घोषाल और जुबिन नौटियाल ने मिलकर गाया है। हमनवा के बोल मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखे हैं। टी–सीरीज ने गाना साझा करते हुए लिखा, एक गाना उसके लिए, जो सब कुछ है, आपका हमनवा।काजोल के साथ इस फिल्म में बाल कलाकार खीरिन शर्मा नजर आएंगी, जो इसमें उनकी बेटी बनी हैं। रोनित रॉय और इंद्रनील सेनगुप्ता भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत पर एक नजर

नईदिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने वाली है। कई बार भारतीय टीम ने अपने शानदार खेल से इंग्लैंड को एकतरफा हराया है। इन जीतों में न सिर्फ टीम की मजबूती दिखी, बल्कि उन्होंने यह भी साबित किया कि वह किसी भी परिस्थिति में बड़ी टीमों को मात देने का दम रखते हैं। ऐसे में आइए इंग्लैंड पर भारत की सबसे बड़ी जीत पर एक नजर डालते हैं। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी जीत साल 2016 में चेन्नई में मिली थी। उस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 477 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने करुण नायर के शानदार तिहरे शतक (303 नाबाद) की बदौलत 759/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद इंग्लैंड की दूसरी पारी महज 207 रन पर सिमट गई और भारत ने यह मुकाबला पारी और 75 रनों से जीत लिया था। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी

जीत साल 2024 में धर्मशाला में मिली थी। उस मैच में पहले बल्लेबाज़ी करते हुए इंग्लैंड की टीम सिर्फ 218 रन बना सकी। जवाब में भारत ने रोहित शर्मा (103) और शुभमन गिल (110) की शतकीय पारियों की बदौलत 477 रन जुटाए। दूसरी पारी में इंग्लैंड की पूरी टीम 195 रन ही बना पाई और भारत ने यह मुकाबला पारी और 64 रनों से अपने नाम किया। साल 2002 में हेडिंग्ले, लीड्स में भारत ने इंग्लैंड को पारी और 46 रनों से हराया था। इंग्लैंड में ये भारत की सबसे बड़ी जीत है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल द्रविड़ (148), सचिन तेंदुलकर (193) और सौरव गांगुली (128) की शानदार पारियों के दम पर 628/8 का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 273 रन पर सिमट गई। भारत ने उन्हें फॉलोऑन दिया। दूसरी पारी में इंग्लैंड 309 रन ही बना सकी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ अपनी चौथी सबसे बड़ी टेस्ट जीत साल 2016 में वानखेड़े स्टेडियम में दर्ज की थी। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 400 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने मुरली विजय (136), विराट कोहली (235) और जयंत यादव (104) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 631 रन बना दिए थे। दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम 195 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने यह मुकाबला पारी और 36 रनों से अपने नाम किया था।

पारुल गुलाटी ने दोनाली के लिए ली बंदूक चलाने की ट्रेनिंग

एक्ट्रेस पारुल गुलाटी ने अपने किरदार को असली और दमदार दिखाने के लिए बंदूक चलाने की कड़ी ट्रेनिंग ली। उन्होंने खास तौर पर देसी कट्टा और डबल बैरल रायफल जैसी बंदूकें चलाना सीखा, ताकि उनका किरदार स्क्रीन पर दमदार और प्रभावशाली लगे।

पारुल गुलाटी वेब सीरीज दोनाली में एक डकैत का किरदार निभा रही हैं। अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, डकैत का रोल करना मेरे लिए बहुत मुश्किल लेकिन मजेदार अनुभव रहा। मैं चाहती थी कि जब मैं बंदूक पकड़ूं और चलाऊं तो वह स्क्रीन पर असली लगे और लोगों को मेरा किरदार सच्चा लगे।

उन्होंने आगे कहा, इस किरदार को निभाने के लिए सिर्फ एक्शन ही जरूरी नहीं होता, बल्कि उसमें सही रवैया, चाल–ढाल और असलीपन दिखाना भी जरूरी होता था। देसी कट्टा और डबल बैरल रायफल चलाना सीखने से मुझे अपने किरदार को एक नया नजरिया मिला और मैं इसे पूरी तरह से बेहतरीन करना चाहती थी। पारुल सीरीज दोनाली में नजर आएंगी।

स्टीव स्मिथ ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में रचा इतिहास, तोड़ डाला 99 साल पुराना महारिकॉर्ड

लंदन, ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का लॉर्ड्स के साथ प्रेम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में भी जारी रहा. दाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज ने 99 साल पुराने महारिकॉर्ड को तोड़ते हुए क्रिकेट के घर लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बनकर अपने नाम एक और रिकॉर्ड जोड़ लिया. उन्होंने बुधवार, 11 जून को ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ़्रीका के बीच यहां खेले जा रहे डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 के पहले दिन यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की. स्मिथ ने 51 रन बनाते ही यह खास उपलब्धि हासिल की. उन्होंने 76 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से अर्धशतक बनाकर ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला. हालांकि, वे अंततः 66 रन बनाकर आउट हो गए, जब वे पार्ट–टाइम स्पिनर एडेन मार्करम की गेंद पर स्लिप में खड़े मार्को जेनसन को कैच थमा बैठे.

कोहली को कप्तान बनाकर उनका संन्यास टाला जा सकता था

नईदिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री उस समय भावुक हो गए जब वह विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास पर बात कर रहे थे।

उन्होंने कोहली की कप्तानी में एक सफल दौर बिताया है और कई यादगार सीरीज जीतते हुए देखा है। उनका मानना है कि कोहली का संन्यास थोड़ा और समझदारी से संभाला जा सकता था। उन्हें कप्तान बनाकर उनके संन्यास को टाला जा सकता था। शास्त्री ने कहा, कोहली का टेस्ट से संन्यास लेना दुख की बात है। वह एक महान खिलाड़ी हैं। जब कोई चला जाता है तभी लोग उसकी अहमियत

समझते हैं। आंकड़े उनकी महानता को पूरी तरह नहीं दिखा सकते, उन्होंने खुद को टेस्ट क्रिकेट के दौरान विदेशी दौरे में जिस तरह पेश किया वो काफी महत्वपूर्ण था। लॉर्ड्स में टीम ने जैसे मैच पलटा वो लम्हा किसी सपने जैसा था और मुझे खुशी है कि मैं उस पल का हिस्सा था।

शास्त्री ने कहा, मुझे दुख है कि वह जिस तरह से गए, वह बहुत अचानक हुआ। मुझे लगता है कि इस पूरे मामले को थोड़ा और अच्छे तरीके से संभाला जा सकता था, शायद उनसे ज्यादा बातचीत की जा सकती थी। अगर यह फैसला मेरे हाथ में होता तो मैं उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद ही फिर से कप्तान बना देता।

एक नजर

गर्म हवाओं और वायु प्रदूषण से जूझ रहा श्रीनगर

श्रीनगर गढ़वाल : मौसम की बेरुखी श्रीनगर में साफ तौर पर नजर आ रही है। एक ओर जहां टिहरी, पौड़ी और रूद्रप्रयाग के इलाकों में बारिश हो रही है, वहीं श्रीनगर गर्म हवाओं और वायु प्रदूषण से जूझ रहा है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और हिमालयी वातावरणीय एवं अंतरिक्ष भौतिकी शोध प्रयोगशाला के मुख्य अन्वेषक डा. आलोक सागर गौतम के नवीन शोध में पाया गया कि श्रीनगर की कटोरेनुमा स्थलाकृति वर्षा बनने की प्रक्रिया में बाधा बन रही है। यह श्रीनगर में न केवल बारिश की राह रोकती है, बल्कि प्रदूषण को भी रोककर वायु गुणवत्ता को बिगाड़ती है। शोध में बताया गया है कि गर्मी और उमस में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे सूक्ष्म कणों की मात्रा बढ़ जाती है, जो लंबे समय तक वातावरण में सक्रिय रहते हैं। दूसरी तरफ चारधाम यात्रा के दौरान भारी वाहनों से निकलने वाला धुआं और जंगलों की आग से उत्सर्जित गैसें स्थिति को और गंभीर बना रही हैं, जिससे चारों ओर धुंध भी छा जाती है। डॉ. गौतम के शोध के अनुसार कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान वायु गुणवत्ता में हुआ सुधार इस बात का प्रमाण है कि मानवजनित उत्सर्जन पर नियंत्रण से पर्यावरण बेहतर हो सकता है। डॉ. गौतम का मानना है कि उत्तराखंड जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर ठोस नीतियां बनाकर प्रदूषण और जलवायु असंतुलन को नियंत्रित किया जा सकता है। (एजेंसी)

ग्रामीणों के हित में बनें नीतियां : बंदूनी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राठ महाविद्यालय पैठाणी में दो दिवसीय सेमीनार में विभिन्न शोध पत्रों पर चर्चा हुई। तकनीकी सत्र में रिसर्च पेपर का प्रेजेंटेशन हुआ। इस दौरान 94 शोध पत्र प्रस्तुत हुए। गुरुवार को पैठाणी में आयोजित इस सेमिनार में पहले सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. सुरेश बंदूनी ने कहा कि नीतियां ग्रामीणों को ध्यान में रखते हुए बननी चाहिए। गढ़वाली भाषा में संबोधन करते हुए कहा कि ब्लैक कार्बन हिमालय में अपना असर दिखा रहा है। दिल्ली विश्वविद्यालय से ही आए प्रो. वीरेंद्र सिंह नेगी ने वन्य जीव संघर्ष पर बोलते हुए कहा कि यह धीरे-धीरे बढ़ रहा है। प्रो. केसी पुरोहित ने पर्यावरण के संतुलन को लेकर जानकारी दी। पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने चीड़ के पेड़ व उसकी पत्तियों पिरुल के बारे विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर कॉलेज के संस्थापक गणेश गोदियाल, कॉलेज प्रचार्य जीतेंद्र नेगी, पीटीए अध्यक्ष आशा राम पंत ने भी विचार रखे।

एसपी ने रुद्रप्रयाग से सोनप्रयाग तक जांची यात्रा व्यवस्थाएं

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम की यात्रा में आ रहे बड़ी संख्या में यात्री और मौसम के पूर्वानुमान के चलते पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे ने रुद्रप्रयाग से लेकर सोनप्रयाग तक यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्रा मार्ग पर विभिन्न प्वाइंट में तैनात पुलिस बल को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। साथ ही बारिश के चलते भूस्खलन होने पर मार्ग खुलवाने, यात्री सुरक्षा के प्रति गंभीर रहने को कहा। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अक्षय कोंडे ने रुद्रप्रयाग के हर कोने में बारिश के चलते मार्ग का व्यापक निरीक्षण किया। मार्ग अवरुद्ध होने के साथ ही संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के स्तर से खोले जाने की कार्यवाही को लेकर भी विशेष दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए अनेक प्वाइन्टों पर पुलिस बल की तैनाती करते हुए यातायात का विनियमन, डायवर्जन किया जा रहा है। साथ ही पुलिस के स्तर से श्रद्धालुओं को मौसम पूर्वानुमान के अनुसार ही अपनी यात्रा पर आगे बढ़ने तथा पुलिस प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए बताया जा रहा है। यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से चल सके इसके लिए कुण्ड व काकड़ागाड़ के साथ ही बांसवाडा में पुलिस को निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

खेती को वैज्ञानिक तरीके से करने से किसानों को मिलेगा लाभ

चमोली : चमोली जिले के पोखरी विकासखंड के सिनाऊ सिमखोली, काण्डई खोला में कृषि वैज्ञानिकों ने कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों को आधुनिक कृषि, फसल बीमा और केंद्र और राज्य के द्वारा किसानों के लिए चलाईं जा रहीं योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

गुरुवार को आयोजित बैठक में कृषि वैज्ञानिक डॉ. शिव दयाल का कहना था कि आधुनिक उपकरणों और उन्नत बीज के इस्तेमाल से किसान उत्पादन को बढ़ाने के साथ ही अपनी आमदनी को दोगुना तक बढ़ा सकते हैं।

नासूर बना गोखले मार्ग, लाख प्रयासों के बाद भी नहीं हो रहा अतिक्रमण मुक्त

पुलिस व निगम की सख्ती के बाद भी रेहड़ी-ठेली वाले नहीं छोड़ रहे मोह

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर के बीच स्थित गोखले मार्ग अतिक्रमण के लिए नासूर बनता जा रहा है। नगर निगम व पुलिस के लाख प्रयासों के बाद भी मार्ग अतिक्रमण मुक्त नहीं हो पा रहा है। नतीजा, अतिक्रमण के कारण शहरवासियों का गोखले मार्ग पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। जबकि, शहरवासी भी लगातार गोखले मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग उठा रहे हैं।

कोटद्वार के गोखले मार्ग में अतिक्रमण कर सड़क पर सजी फड

पुलिस व निगम की सख्ती के बाद भी गोखले मार्ग अतिक्रमण की जद से मुक्त नहीं हो पा रहा है। सड़क के दोनों ओर रेहड़ी-ठेली वालों का कब्जा बना हुआ है। ऐसे में दोपहिया वाहनों का निकलना तो दूर आम जन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। अतिक्रमण के कारण कई बार मार्ग पर दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। कुछ माह पूर्व एक छोटे हाथी वाहन ने सड़क से गुजर रहे एक बच्चों को टक्कर मार दी थी। हालांकि, दुर्घटना में बच्चों को अधिक चोट नहीं आई लेकिन, एक बड़ा हादसा होने से बच गया था। कुछ दिन पूर्व पुलिस ने गोखले मार्ग में अभियान चलाते हुए एक दर्जन से आधिक रेहड़ी-ठेलियों को जब्त भी किया था। बावजूद इसके रेहड़ी-ठेली वाले गोखले मार्ग को खाली करने को तैयार नहीं है। कुछ माह पूर्व हुई बैठक में व्यापारियों ने महापौर को रेहड़ी-ठेली व फड वालों को अपनी दुकान के बाहर सड़क पर खड़ा नहीं होने देने की बात कही थी। लेकिन, हालात सुधर न सके।

आज तक नहीं हुई स्थाई व्यवस्था

नगर निगम की ओर से शहर में रेहड़ी-ठेली वालों के लिए कहीं भी स्थाई व्यवस्था नहीं की गई है। जिसके कारण रेहड़ी-ठेली व फड वाले गोखले मार्ग पर ही डटे हुए हैं। एक माह पूर्व रेहड़ी-ठेली व फड़ वालों ने नगर निगम से उनके लिए स्थाई व्यवस्था करवाने की भी मांग उठाई थी। यहीं नहीं नगर निगम ने नजीबाबाद चौराहे के समीप स्थित गाड़ी पड़ाव से भी सब्जी व फल विक्रेताओं को हटा दिया था। इसके बाद यह सब्जी व फल विक्रेता भी रेहड़ी-ठेली लेकर सड़कों पर ही घूम रहे हैं। स्थिति देखकर लगता है मानो पुलिस व नगर निगम अतिक्रमण के नाम पर चालान काटकर केवल अपना राजस्व ही बढ़ाना चाहती है। जबकि, रेहड़ी-ठेली व फड के कारण आमजन परेशान हो रहा है।

शिक्षकों ने दी राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अनुसूचित जाति-जनजाति शिक्षक एसोसिएशन ने 23 जून को राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। कहा कि लाख शिकायत के बाद भी पदोन्नति में आरक्षण विषयक जस्टिस इरशाद हुसैन आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। एसोसिएशन के प्रदेश संरक्षक डा. सोहन लाल ने कहा कि अनुसूचित जाति जनजाति शिक्षक एसोसिएशन लगातार इरशाद हुसैन आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग उठा रहा है। बावजूद इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा। कहा कि सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के क्रम में तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने पदोन्नति में आरक्षण विषयक जस्टिस इरशाद आयोग का गठन किया था। आयोजन ने वर्षों पूर्व अपनी रिपोर्ट सरकार को दे दी। करोड़ों रुपये आयोग पर खर्च करने के बाद भी अब तक रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है। जिससे शिक्षक व कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। कहा कि 23 जून को राजधानी देहरादून में राज्यपाली आंदोलन की शुरुआत की जाएगी।

मृतक सुमन के परिवार को कंपनी ने दी आर्थिक सहायता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गुमखाल-सतपुली के मध्य सतपुली मल्ली के समीप पोकलेन से युवक की हत्या के मामले में कार्यदायी एजेंसी कल्याण-शिवालिक इंफ्रास्ट्रक्चर (जेवी) ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की है। साथ ही कंपनी ने मृतक सुमन के बेटे की पढ़ाई का खर्चा उठाने का भी आश्वासन दिया है।

मालूम हो कि सात जून को राष्ट्रीय राजमार्ग में पोकलेन ऑपरेटर प्रवीण सिंह व द्वारीखाल ब्लॉक के अंतर्गत नौसीन निवासी सुमन देवरानी के बीच विवाद हो गया था। जिसमें आपरेटर प्रवीण सिंह ने पोकलेंन मशीन के बकेट से मारकर सुनम की हत्या कर दी थी। ऐसे में अब गुरूवार को कार्यदायी एजेंसी कल्याण शिवालिक इंफ्रा जेवी के प्रोजेक्ट प्रमुख विनय सिंह भदौरिया ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की। कंपनी ने सुनम की माता व पत्नी को छह-छह लाख रुपये की धनराशि दी है। साथ ही मृतक सुमन के पुत्र की पढ़ाई का पूरा खर्चा उठाने की भी बात कही। कहा कि जब बालक 22 वर्ष का हो जाएगा तो उसे कंपनी में ही नौकरी दी जाएगी। समझौते का मुकदमें से कोई संबंध नहीं है।

स्लॉटर हाउस के संचालन शुरू करने में देरी पर अफसरों को लगाई फटकार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नगर निकायों के तहत संचालित विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने पौड़ी व श्रीनगर के स्लॉटर हाउस का संचालन शुरू करने में देरी करने पर संबंधित निकायों के अफसरों को फटकार लगाई। डीएम ने कोटद्वार, श्रीनगर व पौड़ी निकायों के अफसरों को अतिक्रमण हटाने की धीमी गति पर चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। नगर निकायों की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने सभी निकायों के अफसरों को शतफीसदी डोर टू डोर कूड़ा जमा करने व पृथकीकरण की कार्रवाई करने को कहा। स्वच्छता को लेकर लोगों में व्यावहारिक परिवर्तन लाने के लिए जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाए। उन्होंने खुले में कूड़ा डालनों का चिह्नीकरण करते हुए चालानी कार्रवाई करने, सार्वजनिक स्थान पर तंबाकू व गुटके को सार्वजनिक स्थलों पर थूकने वालों पर भी चालानी कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान बताया गया कि अतिकमण हटाने को लेकर नगर निगम कोटद्वार में 82 स्थानों पर, नगर निगम श्रीनगर में 32 स्थानों, नगर पालिका परिषद पौड़ी में 24 अतिक्रमणों पर केवल चालानी कार्रवाई की गई। जिस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए इन निकायों के अफसरों को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, सहायक नगर आयुक्त कोटद्वार चंद्रशेखर शर्मा, श्रीनगर गायत्री बिष्ट, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद दुगड्डा शिवानी, थलीसैंण दीपक प्रताप आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला में दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी की ओर जेंडर इक्वलिटी एंड सोशल इंक्लूजन इन सस्टेनेबल वाटर सप्लाई सिस्टम नाम से सेंसटाइजेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महिला प्रतिनिधियों, नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित विभिन्न स्टेक होल्डर परियोजना कर्मियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में उत्तराखंड शहरी विकास एजेंसी के परियोजना प्रबंधक जतिन सिंह सैनी ने समाज में जेंडर इक्वलिटी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात विशेषज्ञ डॉ. रीता मोहन द्वारा प्रतिभागियों को जेंडर इक्वलिटी एवं सोशल इंक्लूजन सस्टेनेबल वाटर सप्लाई पर विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए बताया गया कि वे समाज में किस तरीके से अपनी भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में सोनिया नेगी, निरुबाला खंतवाल, मिशन मैनेजर जगदीश रतूड़ी, जल संस्थान के ई.ई अभिषेक वर्मा, परियोजना क्रियान्वयन इकाई के लोकेश कुमार और सुमित कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा भारत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा की ओर से पत्रकार वार्ता की गई। जिसमें भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 साल देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज किए जाएंगे। यह कार्यकाल आत्म निर्भर और विकसित भारत के निर्माण की नींव साबित हुआ है।

गुरुवार को लालबत्ती चौक स्थित एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाएं सीधे आम लोगों के जीवन से जुड़ी हैं। आयुष्मान भारत योजना से अब गरीबों को मुफ्त इलाज मिल रहा है। पहले योजनाओं का लाभ गरीबों तक नहीं पहुंचता था, अब सरकारी सहायता सीधे खातों में पहुंच रही है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि यह भारत के साहस और संकल्प का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, तीन तलाक खत्म करने, जीएसटी लागू करने और वक्फ कानून में बदलाव जैसे साहसिक फैसले लिए हैं। कहा कि मोदी सरकार के कार्यों की बदौलत अब शासन सेवा का माध्यम बन गया है। रक्षा निर्यात 30 गुना बढ़ा है और भ्रष्टाचार पर लगातार प्रहार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी को केंद्र में रखा गया है। सरकारी योजनाओं की निगरानी हो रही है, पारदर्शिता के लिए ई-नीलामी को बढ़ावा दिया गया है। योग और आयुर्वेद को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाई गई है। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता नवीन ठाकुर, जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, लैंसडौन विधायक दिलीप रावत, मेयर शैलेंद्र रावत, मंडल अध्यक्ष विकासदीप मित्तल, संयोजक जगमोहन रावत सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते भाजपा प्रदेश महामंत्री आदित्य ठाकुर

इसी सत्र से शुरु होगी केंद्रीय विद्यालय की कक्षाएं : ऋतु

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लगातार आंदोलन चलाने के बाद आखिर कोटद्वार में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति मिल ही गई है। गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष व स्थानीय विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण ने इसी सत्र से एक महीने के अंदर केंद्रीय विद्यालय की कक्षाएं आरंभ करने की घोषणा की। कहा कि वह क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि वह तीन वर्षों से विद्यालय की स्वीकृति के लिए लगातार प्रयासरत रही। शासन स्तर पर फाइल स्वीकृति की प्रक्रिया में थी, जिसमें अब सफलता प्राप्त हुई है। ये कोटद्वार वासियों के सामूहिक प्रयासों एवं आशीर्वाद का परिणाम है। कहा कि केंद्रीय विद्यालय की स्थापना मगनपुर, किशनपुर स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के भवन में की जाएगी। भूमि का निःशुल्क हस्तांतरण पहले ही किया जा चुका है। विद्यालय में प्रारंभिक रूप से कक्षा 1 से 5 तक की प्रवेश प्रक्रिया आगामी 30 दिनों के भीतर पूर्ण कर, इसी शैक्षणिक सत्र से संचालन प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, केंद्रीय विद्यालय संगठन से जुड़े सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

कोटद्वार में पत्रकारो से वार्ता करती विस अध्यक्ष

सीमांत गांवों में आयोजित होंगी खेलकूद प्रतियोगिताएं

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिले के सीमान्त गांवों में 14 से 19 जून तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। जिला क्रीडाधिकारी चमोली गिरीश कुमार ने बताया कि 14 जून से 16 जून 2025 तक गमशाली धुम्पुधार खेल मैदान में विभिन्न खेल प्रतियोगिता जैसे रस्साकसी, रस्सी कूद, तीन टांग दौड़, बोरा दोड़, नींबू चम्मच दौड़, कुर्सी दौड़, वालीबॉल एवं क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा एवं 17 जून से 19 जून 2025 तक मलारी बुरांश खेल मैदान में उपरोक्त खेल प्रतियोगितायें करायी जायेगीं। उन्होंने बताया कि खेलों में प्रतिभाग करनें वाले खिलाड़ियों को आने-जाने हेतु बस का किराया, मध्याह्न भोजन एवं सूक्ष्म जलपान तथा प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करनें वाले खिलाड़ियों पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे।

गुलदार के हमलों और गतिविधियों को लेकर किया मंथन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वन विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को पौड़ी मुख्यालय में गुलदार व मानव के बीच बढ़ते संघर्ष की समस्या के प्रभावी हल के लिए विशेषज्ञों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान गुलदार के हमलों, गतिविधियों के साथ ही समाचारों के प्रस्तुतिकरण को लेकर भी मंथन किया गया। इस मौके पर डीएम ने कहा कि यह गंभीर मामला है कि लोग गुलदार का वीडियो बनाते हैं, लेकिन इसकी सूचना आपदा प्रबंधन या पुलिस कंट्रोल रूम को नहीं देते। जबकि सबसे पहले कंट्रोल रूम को सूचना देनी चाहिए। डीएम ने स्कूली बच्चों को मंच पर बुलाकर गुलदार के बारे में उनकी जागरूकता के बारे में जानकारी भी ली।

गढ़वाल वन प्रभाग की ओर से चलाएं जा रहे गुलदार कु दगड़िया अभियान तहत आयोजित हुई इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए पौड़ी डीएम डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि पुलिस व नगर निकायों को गुलदार की सक्रियता वाले क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए। इसका रिकार्ड भी अपडेट होना चाहिए। कहा कि शिक्षा महकमे का दायित्व है कि वह बच्चों को इस बाबत जागरूक करें। गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध ने बताया कि जिले में गुलदारों की संख्या में इजाफा हुआ है। बताया कि गुलदारों की संख्या बढ़ने के बावजूद गुलदार-मानव संघर्ष में कमी आई है। वर्तमान में जिले में 453 गुलदार हैं। डीएफओ ने कहा कि गुलदार कु दगड़िया कार्यक्रम जन-जागरूकता और स्थानीय सहभागिता पर आधारित एक अभिनव प्रयास किय गया है, जो मानव और गुलदार के बीच संघर्ष को कम कर, संतुलित और सुरक्षित सह-अस्तित्व सुनिश्चित करने के मकसद से शुरू किया गया है।

जल्द संचालित होगा ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट, आवेदन किये आमंत्रित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला अस्पताल पौड़ी के ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट जल्द संचालित होगा। यह प्लांट लंबे समय से खराब पड़ा था। अस्पताल प्रशासन ने अब प्लांट के संचालन और वार्षिक रख-रखाव के लिए निविदा जारी कर आवेदन आमंत्रित किए हैं।

प्रदेश में कोविड संक्रमित तीन मरीज पाए गए के बाद जिले का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। जिला अस्पताल पौड़ी प्रशासन ने विभागीय निर्देशों के क्रम में तैयारियां तेज कर ली हैं। जिला अस्पताल पौड़ी में पीएम केयर फंड से 7 अक्तूबर 2021 में एक हजार एलपीएम क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट स्थापित हुआ था। जिसका लोकार्पण पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। अस्पताल पीपीपी मोड से हटने के बाद जनवरी 2025 में स्वास्थ्य महकमे के पास आया था।

जिसके बाद से यहां तकनीशियन तैनात नहीं होने के चलते प्लांट की कोई सुध नहीं ली जा रही थी। ऐसे में बीते दिनों कोविड संक्रमण के मरीज सामने आने पर अस्पताल के पीएमएस डा. एलडी सेमवाल ने प्लांट के संचालन का प्रयास किया। लेकिन वह संचालित ही नहीं हो पाया था। जिसकी सूचना उन्होंने तत्काल मौखिक व लिखित रूप में स्वास्थ्य महानिदेशक को दी थी। जिसके बाद अब अस्पताल प्रशासन ने प्लांट के संचालन व रख-रखाव के लिए निविदा जारी कर दी है। अस्पताल के पीएमएस डा. एलडी सेमवाल ने बताया कि जिला अस्पताल पौड़ी में स्थापित ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट के संचालन व वार्षिक रख-रखाव के लिए निविदा जारी की गई है। 21 जून को निविदा खुलेगी। जिसके बाद प्लांट का संचालन जल्द शुरु हो जाएगा। उन्होंने बताया कि प्लांट के संचालन से आपात स्थिति सहित अन्य मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर ऑक्सीन की उपलब्धता सुलभ हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहा विकास : तीरथ

चमोली : उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में प्रगति और विकास के साथ आगे बढ़ रहा है। कहना था कि 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सरकार विकसित भारत के लिए कार्य कर रही है।गोपेश्वर में गुरुवार को पत्रकार वार्ता में केन्द्र सरकार की उपलब्धियों पर बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत का कहना था कि केंद्र सरकार ने भारत के मान-सम्मान को बढ़ाया है। कहा कि पाकिस्तान की कायराना हरकत का करारा जबाब भी सरकार ने दिया है। पूर्व सीएम रावत ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। पूर्व सीएम रावत ने कहा महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों पर भी लगाम गया है।

उच्च शिक्षा पाठयक्रम में अनुभवात्मक शिक्षा को एकीकृत करने पर दिया जोर

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) में गुरु दक्षता फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हुआ। बतौर मुख्य अतिथि कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल उत्तराखंड के पूर्व कुलपति प्रो. एचएस धामी ने उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में अनुभवात्मक शिक्षा को एकीकृत करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। कहा कि अनुभवात्मक शिक्षा केवल एक शैक्षणिक प्रवृत्ति नहीं है, बल्कि आज की तेजी से विकसित हो रही ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में प्रासंगिक और उत्तरदायी बने रहने के लिए भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए एक मूलभूत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कक्षा आधारित शिक्षण महत्वपूर्ण बना हुआ है, लेकिन इसे व्यावहारिक, समस्या आधारित और परियोजना उन्मुख दृष्टिकोणों के साथ पूरक होना चाहिए, जो महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता, सहयोग और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों से ऐसे पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने का आग्रह किया जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के समग्र और बहु-विषयक शिक्षा के दृष्टिकोण के अनुरूप हों। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गढ़वाल विवि के पृथ्वी विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. एचसी नैनवाल ने आधुनिक शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षकों की अपूरणीय भूमिका पर गहन वक्तव्य दिया। प्रो. नैनवाल ने कहा कि आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस जानकारी की नकल कर सकती है, लेकिन इसमें सहानुभूति, अंतर्ज्ञान और मानवीय जुड़ाव का अभाव होता है। कहा कि शिक्षकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता होती है, कुछ ऐसा जो कोई एल्गोरिदम अनुकरण नहीं कर सकता है। उन्होंने एआई-संचालित प्लेटफार्मों पर अत्यधिक निर्भरता के खिलाफ आग्रह किया। गुरु दक्षता कार्यक्रम में देश के 19 अलग-अलग राज्यों से 60 शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया। केंद्र के कार्यवाहक निदेशक डॉ. राहुल कुंवर सिंह ने कहा कि परिवर्तनकारी शिक्षक प्रशिक्षण पहलों को बढ़ावा देने के लिए एमएमटीटीसी की प्रतिबद्धता को दोहराया जो 'आचार्य देवो भव की भावना को बनाए रखते हैं और राष्ट्रीय शैक्षिक लक्ष्यों में सार्थक योगदान देते हैं।

गुलदार दिखने पर वन विभाग को तत्काल सूचना दें

गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में वन विभाग की टीम तैनात

रुद्रप्रयाग : जखोली के गुलदार प्रभावित इलाकों में वन विभाग की टीम लगातार ग्रामीणों को जागरूक कर रही है। गुलदार पर निगरानी रखने के लिए वन विभाग की 30 सदस्यों की 6 क्यूआरटी टीम तैनात की गई जो निरंतर क्षेत्र में गश्त कर लोगों को जागरूक कर रही है। वहीं कैमरा ट्रैप के साथ ही लाइव रिकार्डिंग, नाइट विजन दूरबीन भी लगाई गई है।

वन विभाग के जखोली क्षेत्र के उप प्रभागीय वनाधिकारी दिवाकर पंत ने जानकारी देते हुए बताया कि गुलदार से ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए वन विभाग की टीम क्षेत्र में ही तैनात है। डांडा गांव के साथ ही मखेत, चमसारी और अन्य प्रभावित इलाकों में वन विभाग की टीम लगातार गश्त कर रही है। बताया कि जखोली ब्लॉक के गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में अन्य गुलदारों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग के 30 सदस्यों की 6 क्यूआरटी टीम लोगों को सर्तक और जागरूक कर रही है। गुलदार प्रभावित क्षेत्र की गश्त की जा रही है। गुलदार पर नजर रखने के लिए 30 ट्रैप कैमरा, लाइव रिकॉर्डिंग कैमरा, ड्रॉन एवं नाइट विजन दूरबीन क्षेत्र में लगाए गए हैं। वन विभाग द्वारा जखोली ब्लॉक की समस्त जनता से अपील की गई है कि गुलदार से सुरक्षा के लिए सावधानी बरतें। खेतों में काम करते समय समूह में ही जाएं और छोटे बच्चों का विशेष ध्यान दें। अपील की है कि गुलदार दिखने की स्थिति में वन विभाग को तत्काल सूचना दें। (एजेंसी)

बारिश के बाद जनजीवन अस्त—व्यस्त

चमोली : गोपेश्वर और आसपास के इलाकों में बुधवार देर रात को बारिश की वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में जुटी हुई है। गोपेश्वर के निकट कौंज पोथनी में अतिवृष्टि से गांव को जोड़ने वाली 100 मीटर से अधिक सड़क क्षतिग्रस्त हो गई, जिसकी वजह से आसपास के गांवों का सड़क संपर्क टूट गया। क्षेत्र के कई गांव प्रभावित हुए हैं। ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय गोपेश्वर पहुंच कर प्रशासन से मांग की है कि क्षतिग्रस्त सड़क को जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कि जाए।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

प्रवर मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभि0 / समन्वय, उत्तर प्रदेश, मुरादाबाद कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई—टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	**04RT-SNT-Sig-SSDAC-MSDAC** प्रोविज़न ऑफ़ एस एस डी ए सी / एम एस डी ए सी इन लियू ऑफ़ ओवरएज्ड यूनिवर्सल एक्सेल काउंटर इन नजीबाबाद (EX)—सहारनपुर सेक्शन ऑफ़ मुरादाबाद डिवीज़न	39068629.22	345400.00	Nil	10.07.2025 15:00 hrs.
2	**05RT-SNT-Sig-SSDAC-MSDAC** प्रोविजन ऑफ़ एस एस डी ए सी / एम एस डी ए सी इन लियू ऑफ़ ओवरएज्ड यूनिवर्सल एक्सेल काउंटर इन चंदौसी – बरेली सेक्शन ऑफ़ मुरादाबाद डिवीज़न	14552199.59	222800.00	Nil	10.07.2025 15:00 hrs.
3	**10RT-SNT-Sig-MB-MLB-ELB** मिडटर्म रिहैबिलिटेशन ऑफ़ एम एल बी इंटरलॉकिंग एल सी गेट्स विथ इ एल वी इन RAC-LKO, MB-CH-ALJN, CH-BE, GJL-MZM, KRJ-MTC & LRJ-HW-DDN-RKSH सेक्शन ऑफ़ मुरादाबाद डिवीज़न	42569992.67	362900.00	Nil	10.07.2025 15:00 hrs.

नोटः— निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना 04RT,05RT,10RT-SNT-SIG-SSDAC-MLB-ELB-2024-25 दिनांक 10.06.2025 1749/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

नदियों के संरक्षण के समन्वय से काम करें अधिकारी : डीएम

नई टिहरी। डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में नदियों के संरक्षण को लेकर नदी उत्सव कार्यक्रम संबंधी बैठक संपन्न हुई। गुरुवार को जिला सभागार में आयोजित बैठक में नदी उत्सव कार्यक्रम के आयोजन, नदियों के संरक्षण, नदियों का महत्व और पर्यावरण के संबंध में जन–जागरूकता, सोंग नदी पुर्नजीवन परियोजना जैसे अहम व विभिन्न मुद्दों को लेकर विचार–विमर्श किया गया। डीएम ने सभी बीडीओ को अपने–अपने क्षेत्रान्तर्गत भ्रमण कर नदियों के संरक्षण के लिए साफ–सफाई कराने, लोगों को जागरूक करने तथा शिक्षा अधिकारियों से छात्रों को नदियों के उद्गम और मिलान की जानकारी देते हुए जागरूक करने के निर्देश दिए।

सम्बंधित अधिकारियों के साथ समन्वय कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ट्राउट फार्मिंग और अन्य रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने को प्रस्ताव बनाने को निर्देशित किया। इस अवसर पर उप निदेशक जलागम व सदस्य सारा नवीन सिंह बरफवाल ने सोंग नदी पर बने चेकडैम की जानकारी दी। ईई लघु सिंचाई बृजेश गुप्ता ने चाल खाल, रिचार्ज पीट, खांतिया, कैचमेंट एरिया को लेकर होने वाले कार्यों के बारे में बताया। जिस पर डीएम ने आधारभूत मूल्यांकन रिपोर्ट बनाने और गांव के पास स्थित चेकडैम का सौंदर्यकरण करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि रोजगार विकसित करने के उद्देश्य से कार्य किए जाए। इसके साथ ही पौधारोपण का कार्य वृहद रूप से करने को कहा। बैठक में डीडीओ मोहम्मद असलम, ईई पेयजल निगम चम्बा केएन सेमवाल, ईई जल संस्थान प्रशांत भारद्वाज, डीटीडीओ एसएस राणा आदि मौजूद रहे।

पारदर्शिता से प्रदेशभर में हुई आंगनबाडी की नियुक्तियां :रेखा

नई टिहरी। बाल विकास,महिला सशक्तिकरण,युवा कल्याण एवं खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि विभाग प्रयास कर रहा है कि आंगनबाड़ी को सेवानिवृत्ति पर एक लाख की धनराशि दी जाए। साथ ही भविष्य में पेंशन योजना पर विचार किया जा रहा है। कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का पद सिर्फ रोजगार का एक माध्यम नहीं है, बल्कि सेवा का एक बड़ा अवसर है। कहा कि राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के मानदेय में सर्वाधिक बढ़ोतरी की है। वीरवार को सभागार नई टिहरी में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने जिले में चयनित की गई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

कहा कि पहली बार प्रदेश में आंगनबाड़ी की भर्ती के लिए ऑनलाइन मांग कर पादर्शिता के साथ चयन प्रक्रिया को पूरा किया गया है। कहा कि अब प्रत्येक छह–छह माह के अंतराल में भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। कहा कि पूरे प्रदेश में 6330 आंगनबाड़ी सहायिकाओं और 722 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पदों पर भर्ती की है। इनमें से लगभग 700 नियुक्ति टिहरी जिले में दी गई।

उन्होंने 100 चयनित अभ्यार्थियों को नियुक्त पत्र भेंट किए। इस मौके पर टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय,डीएम नितिका खंडेलवाल,सीडीओ वरुणा अग्रवाल,जिला कार्यक्रम बाल विकास संजय गौरव,जिलाध्यक्ष भाजपा उदय रावत, विनोद रतूड़ी आदि मौजूद थे।

भेलगढ़ी से पाण्डव मोटर मार्ग का शाह ने किया शुभारंभ

नई टिहरी। राज्य योजना के तहत जनपद की घनसाली विधानसभा के ब्लाक भिलंगना में 25.35 करोड़ की लागत से लगभग 6.83 किमी लंबी लोनिवि की मूलगढ़ से ठेला–गण्डराखाल मोटर मार्ग का भेलगढ़ी से पांडव गांव तक द्वितीय चरण स्टेज प्रथम का गुरूवार को घनसाली विधायक शक्ति लाल शाह ने शुभारंभ किया। विधायक शाह ने कहा कि इससे क्षेत्र की जनता को सड़क मार्ग से जुड़ने का लाभ मिलेगा और आने वाले समय में आवाजाही सुगम होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताते हुए कहा कि डब्बल इंजन की सरकार में निरंतर घनसाली विधानसभा विकास की ओर अग्रसर है।

विधायक शाह ने विधानसभा घनसाली की तहसील बालगंगा क्षेत्रान्तर्गत आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास व विस्थापन के लिए 5.48 करोड़ की धनराशि डीएम टिहरी को आवंटित किए जाने के अनुमोदन के लिए भी आभार जताया। जबकि मौके पर मौजूद लोगों ने विधानसभा के विकास कामों को प्राथमिकता देने के लिए विधायक शक्ति लाल शाह का आभार जताया।

बच्चों के अंदर आत्मविश्वास पैदा करें अभिभावक

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : अभ्युदय परिवार लैंसडौन की ओर से दस दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में बच्चों को कौशल विकास के गुर सिखाएं जा रहे है। मुख्य अतिथि ने कहा कि बच्चों के व्यक्तित्व विकास और आत्मनिर्भरता के लिए उनके कौशल को भी बढ़ावा दिया जाए। कहा कि वे बच्चों के अंदर आत्मविश्वास पैदा करें।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि गढ़वाल राइफल्स के ब्रिगेडियर विनोद नेगी, ऊषा नैथानी, महिपाल सिंह रावत, संयोजिका भावना वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जायेगा, जो महिलाएं सिलाई-बुनाई का कार्य करती है उन्हें इस प्रकार का कार्य दिया जायेगा, ताकि महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन समय-समय पर किया जाना चाहिए। इस प्रकार की कार्यशालाओं से बच्चों का चहुंमुखी विकास होता है।

इस दौरान मुख्य अतिथि ने महिलाओं और बच्चों से बातचीज की। इस मौके पर संयोजिका भावना वर्मा ने कहा कि भविष्य में बच्चों को गढ़वाली, कुमाऊंनी भाषा का प्रशिक्षण दिया जायेगा, क्योंकि बच्चे अपनी बोली नहीं बोल पा रहे है। कहा कि बच्चों को अपनी बोली भाषा सिखाने की जरूरत है। कार्यशाला में ऊषा नैथानी, महिपाल सिंह रावत, मीना अधिकारी, पूनम बौंठियाल, शांति गुसाईं, रेनू चौहान, रंजनी वर्मा, उर्मिला वर्मा आदि मौजूद थे।

जनपद/ब्लॉक स्तर पर आयोजित होगें जनता मिलन कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जनपद, तहसील एवं विकासखंड स्तर पर जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में आगामी दो माह हेतु रोस्टर जारी कर दिया गया है।

निर्धारित रोस्टर के अनुसार आगामी जुलाई व अगस्त माह के प्रत्येक सोमवार को पूर्व की भांति विकास भवन में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वहीं प्रत्येक बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकासखंड/तहसील स्तर पर जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि माह के द्वितीय बुधवार को राजकीय अवकाश होने की स्थिति में आगामी तिथि को जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

चक्रीय आरक्षण समाप्त करने पर एससी मोर्चे ने किया प्रदर्शन

नई टिहरी। उत्तराखंड पंचायत आरक्षण बचाव अनुसूचित जाति संयुक्त मोर्चा ने गुरूवार को अम्बेडकर पार्क पर उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 में गतिमान चक्रीय क्रम को समाप्त करने तथा ट्रिपल प्रक्रिया के तहत नया प्रथम चक्र को शुरू करने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। जिसके बाद राज्यपाल को ज्ञापन भी प्रेषित किया। गुरूवार को अनुसूचित जाति संयुक्त मोर्चा ने गतिमान चक्रीय क्रम को समाप्त करने पर गहन नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन करते हुए इसे नियमित रखने की मांग की और कहा कि यदि ऐसा न किया गया तो आंदोलन को मजबूर होंगे। राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में अवगत कराया कि पंचायत राज चुनाव 2025 का जो गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इससे टिहरी गढ़वाल, देहरादून, चंपावत एवं उधम सिंह नगर में एससी वर्ग के जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर प्रतिनियुक्ति करने का अवसर निकट भविष्य में नहीं मिल पायेगा। इसके अलावा 10 एससी वर्ग के क्षेत्र पंचायत प्रमुख, 150 जिला पंचायत सदस्य, 500 से अधिक प्रधान सहित सदस्य निर्वाचित होने का अवसर नहीं मिल पायेगा। जो कि खेदजनक है। इससे एससी वर्ग में खासा रोष है। आरक्षण चक्र तोड़ने से कई रोटेशन व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पायेगा। इसलिए रोटेशन प्रणाली को गतिमान रखने की मांग की जाती है। सरकार की प्रथम चक्र की व्यवस्था को समाप्त करने की मांग भी की जाती है। इसलिए इस पर सरकार दोबारा विचार कर चक्रप्रणाली को नियमित रखे।

मसूरी में थप्पड़ विवाद से लगा जाम लिखित माफी के बाद सुलझा विवाद

देहरादून। मसूरी पिक्चर पैलेस बैरियर पर बुधवार शाम पीआरडी जवान और स्थानीय युवक के बीच हुए विवाद का असर गुरुवार को भी दिखा। स्थानीय युवक सुबह ही अपने परिचितों के साथ बैरियर के सामने धरने पर बैठ गया। वह पीआरडी जवान से सार्वजनिक माफी की मांग करने लगे। धरने की वजह से पर्यटकों को जाम से जूझना पड़ा। बाद में पीआरडी जवान के माफी मांगने पर मामला शांत हुआ। नगर पालिका मसूरी के बैरियर पर आए दिन विवाद की स्थिति पैदा हो रही है। यहां हो रहे विवाद की वजह से पर्यटकों के साथ ही स्थानीय लोग भी परेशान है। पिछले दिनों अधिवक्ता और पुलिसवालों के बीच विवाद हुआ था, जिससे दो दिन तक बैरियर खुले रहे हैं। यहां न तो टैक्स वसूली हो पाई और माल रोड पर वाहन मनमाने तरीके से चलने लगे। इससे पर्यटकों के साथ ही स्थानीय लोग जाम से जूझते रहे। अब नए विवाद में भी इसी तरह की स्थिति पैदा हो गई। इस स्थिति के समाधान के लिए नगर पालिका अध्यक्ष को खुद सामने आना पड़ा। उन्होंने मध्यस्थता की तो पुलिस पीआरडी जवान को थाने में ले आई। पीआरडी जवान ने लिखित में माफी मांगी तो मामला शांत हो गया। हालांकि एक घंटे तक लोगों को जाम की स्थिति से जूझना पड़ा। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी, सीओ मनोज असवाल, अधिशासी अधिकारी तनवीर मारवाह, पालिका पालिका पर्यटन अधिकारी चंद्र प्रकाश बडोनी आदि मौजूद रहे। बाक्स–विवाद से मसूरी की छवि हो रही खराब नगर पालिका परिषद के दोनों बैरियरों पर हर रोज रात दिन हो या रात को झगड़े होते रहतें हैं ऐसे में कर्मचारियों का काम करने में मुश्किल होता जा रहा है।

सुसवा नदी का प्रदूषण रोकने की मांग

देहरादून। दून में बहने वाली और गंगा की प्रमुख सहायक नदियों में से एक सुसवा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए डोईवाला निवासी सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता अजय कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजा है। जिसमें उन्होंने कहा कि वे स्कूल के समय से सुसवा नदी में प्रदूषण रोकने को काम कर रहे हैं। जिसके लिए उन्हें 2006 में कब वाइल्ड लाइफ वार्डन नियुक्त किया गया था व वन विभाग ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया था। जिस प्रमाण पत्र पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी के हस्ताक्षर थे। बताया कि सुसवा नदी देहरादून जनपद से निकलकर रायवाला क्षेत्र से गुजरते हुए गंगा में मिलती है। इसे "नमामि गंगे" परियोजना में सम्मिलित किया गया है तथा दुधली क्षेत्र में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके बावजूद आज भी सुसवा में पॉलीथिन, गंदगी, सीवर, निर्माण मलबा, और औद्योगिक अपशिष्ट लगातार गिराए जा रहे हैं। जिसकी जानकारी वे तमाम अधिकारियों को दे चुके हैं। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने इस मामले में जिला प्रशासन और सरकार को निर्देश देने की मांग पीएमओ से की है।

सीएम धामी ने किया एक्सिस बैंक की शाखाओं का वर्चुअल शुभारंभ

गुप्तकाशी एवं ज्योर्तिमठ में खुली एक्सिस बैंक की नई शाखाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए गुप्तकाशी एवं ज्योर्तिमठ में एक्सिस बैंक की नई शाखाओं का वर्चुअल शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने गुप्तकाशी एवं ज्योर्तिमठ में एक्सिस बैंक की नई शाखाओं के शुभारंभ पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे सीमांत क्षेत्रों में आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार होगा। यह कदम वित्तीय समावेशन के साथ क्षेत्रीय विकास को गति प्रदान करेगा। गुप्तकाशी और ज्योर्तिमठ दोनों ही चार धाम यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। इन स्थानों पर बैंक की शाखाएं खुलने से स्थानीय लोगों के साथ श्रद्धालुओं को भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा राज्य सरकार, प्रदेश में सभी बैंकों के आवश्यक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए हर संभव मदद करेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्योर्तिमठ में भारत सरकार के सहयोग से 1700 करोड़ से भी अधिक की लागत से पुर्नवास की योजना का काम गतिमान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत, विकसित भारत के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है। यह संकल्प तभी पूरा होगा, जब अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वित्तीय समावेशन को सशक्त करने के लिए कार्य कर रही है। वित्तीय अनुशासन बनाने में देवभूमि उत्तराखंड दूसरे स्थान पर आया है। नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्यों की सूची में हमारे प्रदेश का प्रथम स्थान आया है। राज्य सरकार का प्रयास है बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा जैसी सेवाएं हर नागरिक तक पहुंचे। राज्य सरकार ई-गवर्नेंस, मोबाइल एप, डिजिटल सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचा रही है। जिससे लोगों का जीवन आसान हो रहा है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, विधायक बंशीधर भगत, डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, श्रीमती आशा नौटियाल, एक्सिस बैंक के प्रबंध निदेशक अमिताभ चौधरी, अपर सचिव मनमोहन मैनाली मौजूद थे।

'विकसित भारत' के अमृतकाल की ओर बढ़ रहा देश : बहुगुणा

केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को बताया ऐतिहासिक

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग जनपद के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा गुरूवार को जनपद भ्रमण पर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा कार्यालय में आयोजित संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के सफल 11 वर्षों की उपलब्धियों को कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का नेतृत्व 'विकसित भारत' के अमृतकाल की ओर बढ़ रहा है, जहां सेवा, सुशासन और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार केंद्र सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में पूरी तत्परता से जुटी है। उन्होंने भगवान केदारनाथ धाम में हो रहे पुनर्निर्माण कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिसके परिणाम स्वरूप एक माह में रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए हैं। कहा कि 2014 से पूर्व कांग्रेस सरकार के समय भारत भ्रष्टाचार, घोटालों और तुष्टिकरण के लिए जाना जाता था, लेकिन वर्तमान में भारत विकास, नवाचार और तकनीकी प्रगति के पथ पर अग्रसर है। अब सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों को ट्रांस्फर हो रहा है। यह परिवर्तन केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंधूर' से लेकर 'मेड इन इंडिया' तक भारत आत्मनिर्भर बन रहा है और आज ह्लपाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया में ट्रस्टेडह्व हो चुका है। इस मौके पर रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी, राज्य मंत्री बलबीर घुनियाल, देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी, जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, मीडिया प्रभारी सतेंद्र बर्त्वाल समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीकेटीसी वित्त अधिकारी को हटाने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

देहरादून। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति में वित्त अधिकारी को चार धाम यात्रा के बीच हटाने पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस मुख्य प्रवक्ता गरिमा दसोनी ने कहा कि वित्तीय अधिकारी ने नियम विरुद्ध हो रहे खर्चे पर आपत्ति जताई।

इस पर उन्हें अचानक हटा दिया गया। कहा कि वरिष्ठ वित्त अधिकारी आनंद सिंह ने मंदिर समिति में पहले से चली आ रही अनियमित वित्तीय परिपाटी पर लगाम लगाई। इसी का उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। कहा कि बीकेटीसी में पहली बार कर्मचारियों के लिए जो सेवा नियमावली बनी थी, उस नियमावली का पालन नहीं हो रहा है। सीईओ पद के लिए भी सेवा नियमावली के तय प्रावधानों का पालन नहीं किया गया। इतना ही नहीं मंदिर समिति को धर्मस्व से हटा कर पर्यटन विभाग के अधीन कर दिया गया है। बीकेटीसी में अफसर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम कर रहे हैं। गलत तरीके से कर्मचारियों को एसीपी का लाभ दिया जा रहा है। वित्त अधिकारी को बाईपास कर आदेश किए जा रहे हैं। मंदिर समिति के अस्थायी कर्मचारी संघ ने इसकी शिकायत शासन से की। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

लतिका दोबारा दून की मुख्य कृषि अधिकारी बनीं

दिनेश प्रभारी मुख्य उद्यान अधिकारी

देहरादून। वर्तमान तबादला सत्र में सरकार ने कृषि और उद्यान विभाग के आठ अफसरों के तबादले कर दिए। जबकि दो को यथावत रखा गया है। देहरादून के मुख्य कृषि अधिकारी देवेंद्र सिंह राणा को नैनीताल भेजा गया है। नैनीताल की मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह को देहरादून का मुख्य कृषि अधिकारी बनाया गया है। लतिका का बीते साल 26 जुलाई 2024 को देहरादून से नैनीताल तबादला हुआ था। उसके कुछ समय बाद उन्हें देहरादून में मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया था। अब उन्हें सरकार ने दोबारा दून के मुख्य कृषि अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है। टिहरी के मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी व कृषि निदेशालय में उप निदेश-क विनय कुमार को यथावत रखा गया है। उद्यान विभाग में उत्तरकाशी के जिला उद्यान अधिकारी डा. दिनेश कुमार तिवारी को दून का प्रभारी मुख्य उद्यान अधिकारी, नैनीताल के जिला उद्यान अधिकारी डॉ. रजनीश कुमार को उत्तरकाशी का मुख्य उद्यान अधिकारी, जरमोला के एनडीओ अरविंद शर्मा को टिहरी का जिला उद्यान अधिकारी, सहायक निदेशक–ज्योलिकोट नितेंद्र सिंह को चमोली का प्रभारी मुख्य उद्यान अधिकारी, रुद्रपुर के आलू विकास अधिकारी को सहायक निदेशक–पौड़ी कार्यालय, मौन पालन–ज्योलिकोट भावना जोशी को नैनीताल का मुख्य उद्यान अधिकारी बनाया गया है। अपर सचिव डॉ. आनंद श्रीवास्तव ने इसके आदेश किए हैं।

अनुसूचित जनजाति में 15 से 30 जून तक लगेंगे शिविर

देहरादून। केंद्र सरकार की ओर से संचालित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत अनुसूचित जनजाति के ग्रामों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से शत प्रतिशत आच्छादित किया जाएगा। योजना के तहत जनपद देहरादून के 04 विकास खंडों के 41 ग्रामों में 17 विभागों के सहयोग से जनजाति के व्यक्तियों को संतृप्त किया जाएगा। इसके लिए चिन्हित सभी 41 ग्राम पंचायतों में 15 से 30 जून तक शिविर लगाकर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने शिविर का रोस्टर निर्धारित करते हुए इसके आदेश भी जारी कर दिए है। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित खंड विकास अधिकारियों को शिविरों के आयोजन हेतु नोडल अधिकारी नामित किया है। उन्होंने निर्देशित किया कि है चयनित ग्राम पंचायतों में शत प्रतिशत जनजाति व्यक्तियों को योजना से शत प्रतिशत संतृप्त करते हुए इसकी प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट जिला समाज कल्याण अधिकारी को प्रेषित की जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने विभागों को इस बात का प्रमाण पत्र भी देने को कहा है कि चयनित ग्राम पंचायतों में कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित नही रह गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि विकासखंड सहपुर में 1, विकासनगर में 04, चकराता में 24 तथा कालसी के 12 ग्रामों में शिविर लगाए जाएंगे।

आवासीय क्षेत्र में मोबाइल टावर लगाने का विरोध

देहरादून। नालापानी क्षेत्र के लोगों ने आवासीय क्षेत्र में मोबाइल टावर लगाने का विरोध किया है। उन्होंने चौकी प्रभरी को पत्र लिखकर मोबाइल टावर को हटवाने की मांग की है। पत्र में लोगों ने कहा कि आवासीय क्षेत्र में अवैध तरीके से मोबाइल टावर लगाया जा रहा है। टावर लगाने से यहां रेडिएशन की खतरा बढ़ गया है, जिससे क्षेत्र वाहनों में दहशत है। कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार आवासीय क्षेत्र में टावर नहीं लगाया जा सकता है, फिर से यह टावर लगाया जा रहा है। लोगों ने जल्द ही टावर को हटाने का की मांग की है। पत्र में ओमप्रकाश, श्यामा देवी, चमनो देवी, नीतू देवी, शालू, राख, सुमन, अभिषेक सिंह, सुधीर कुमार, नेहा आदि के हस्ताक्षर हैं।

एनडीआरएफ और आईटीबीपी ने किया नदी के बीच में फंसी गाय का रेस्क्यू

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : गुरुवार को पीपलकोटी में अलकनंदा नदी के बीच बने टापू पर फंसी एक गाय को एनडीआरएफ और आईटीबीपी की टीम ने सकुशल रेस्क्यू कर लिया है। यहां एनडीआरएफ और आईटीबीपी की रेस्क्यू टीम की ओर से घंटों की मशक्कत के बाद गाय को सुरक्षित निकाला गया।

आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि मंगलवार को आपदा कंट्रोल रूम को पीपलकोटी में टीएचडीसी के निकट अलकनन्दा नदी के बीच बनें टापू पर एक गाय फंसी होने की सूचना मिली। बताया कि नदी का जल स्तर अधिक होने के चलते गाय सुरक्षित तट पर नहीं पहुंच पा रही है। जिस पर तत्काल यहां डीडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, टीएचडीसी, एचसीसी एंव सीआईएसएफ की टीमों को गाय को रेस्क्यू करने के लिए भेजा गया। लेकिन काफी मशक्कत के बाद भी गाय को नहीं निकाला जा सका। जिस पर बुधवार को गाय को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए एनडीआरएफ गौचर व प्रथम वाहिनी आईटीबीपी ज्योतिर्मठ से अनुरोध किया गया। लेकिन दूसरे दिन भी नदी का बहाव अत्याधिक होने के चलते गाय को रेस्क्यू नहीं किया जा सका। जबकि गुरुवार को आईटीबीपी ज्योतिर्मठ, स्थानीय पुलिस, टीएचडीसी, एचसीसी, सीआईएसएफ की ओर से रेस्क्यू अभियान चलाया गया। जिसके बाद आईटीबीपी की टीम के विशेष प्रयास से गाय को सकुशल रेस्क्यू कर लिया गया है। इस दौरान रेस्क्यू टीम में आईटीबीपी के सुनील कुमार, सुभाष चंद, शीशपाल, वेद प्रकाश, डीडीआरएफ, पुलिस, टीएचडीसी, एचसीसी, सीआईएसएफ, एनडीआरएफ के कार्मिक मौजूद थे।

कैंची धाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए समुचित प्रबंधन के मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान कैंचीधाम मेले की व्यापकता और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए तात्कालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि तात्कालिक उपायों से मेले के वर्तमान संचालन को बेहतर बनाया जाए, वहीं मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं के माध्यम से स्थायी एवं सुदृढ़ प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सेनेटोरियम से भवाली पेट्रोल पंप से आगे तक लगभग 3 किलोमीटर मार्ग पर हो रही कटिंग कार्य को युद्धस्तर पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए, ताकि यातायात व्यवस्था को और बेहतर किया जा सके। जिलाधिकारी नैनीताल वंदना सिंह ने जानकारी दी है कि प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कैंची धाम मेले में श्रद्धालुओं की संख्या प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ रही है। एक साल में लगभग 24 लाख श्रद्धालुओं ने कैंची धाम में दर्शन किए, जबकि पूर्व वर्षों में यह संख्या औसतन 8 लाख के आसपास रही थी। इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में और अधिक वृद्धि की संभावना है। जिलाधिकारी नैनीताल वंदना सिंह ने बताया कि कैंची धाम की धारण क्षमता कम है, जबकि मेले के दौरान क्षमता से अधिक कई गुना श्रद्धालु आते है। इस वर्ष 2.5 लाख से 03 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, जिससे ट्रैफिक प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण के लिए व्यवस्थित प्लान तैयार किया गया है। उन्होंने भविष्य में कैंची धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पंजीकरण व्यवस्था लागू करने एवं अधिकतम सीमा निर्धारित करने का सुझाव दिया,

विभागों में बैकलॉग पदों पर भर्ती को चले विशेष अभियान

देहरादून। एससी एसटी इम्पलाईज फैडरेशन ने गुरुवार को मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन को ज्ञापन सौंपा। सभी विभागों में बैकलॉग के पदों पर भर्ती को तत्काल अभियान चलाने को दबाव बनाया। जल्द जस्टिस इरशाद हुसैन आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की। फैडरेशन के अध्यक्ष करमराम ने कहा कि कहा कि 19 मार्च 2020 को कार्मिक विभाग ने विभागों में बैकलॉग के खाली पदों को भरने को अभियान चलाने का निर्णय लिया था। आज तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। भर्ती आयोगों के स्तर से जो भी विज्ञप्ति जारी की जा रही हैं, उसमें एससी एसटी के पदों के निर्धारित मानकों के अनुसार गणना नहीं की जा रही है। निर्धारित आरक्षण से कम पदों की विज्ञप्ति जारी हो रही है। कहा कि शिक्षा विभाग में बीआरपी, सीआरपी के 950 पदों पर की जा रही नियुक्तियों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार आरक्षण का पालन कराया जाए। शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी के 2400 पदों पर की जा रही नियुक्तियों में भी आरक्षण का पालन हो। सात फरवरी 2020 को सुप्रीम कोर्ट के पारित आदेश के क्रम में इरशाद हुसैन आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक कर उसे लागू किया जाए। उपनल की भर्ती में भी आरक्षण लागू नहीं किया जा रहा है। ऐसे में यदि भविष्य में उपनल कर्मियों को नियमित किया जाता है, तो इससे एससी एसटी वर्ग के युवाओं को बड़ा नुकसान होगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com